A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 07 नवम्बर, 2025
इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 45, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

समाजवादी जोहरान ममदानी से कैसे हारा ट्रंप का नफरती अभियान?

पंकज श्रीवास्तव

न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में जोहरान ममदानी की जीत ने ट्रंप की नफ़रत की राजनीति को करारा जवाब दिया। ममदानी ने नेहरू के समाजवादी ख्वाबों को क्यों याद किया?

न्यूयॉर्क के मेयर पद पर 34 साल के डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी की जीत सामान्य घटना नहीं है। इस्लामोफोबिक नफ़रती अभियानों और राष्ट्रपति ट्रंप के कोप का निशाना होने के बावजूद ज़ोहरहान ने यह कामयाबी हासिल की है। वे सौ साल के इतिहास में पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे।

ज़ोहरान ममदानी को यह जीत कड़े संघर्ष के बाद मिली। ऐसा लग रहा था कि अमेरिका का पूरा सरकारी तंत्र उनकी राह रोकने के लिए जुट गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें रोकने में पूरी ताक़त झोंक दी थी। यहाँ तक कि अपनी रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की जगह उन्होंने पूर्व डेमोक्रेटिक मेयर और निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन किया। टेस्ला के मालिक एलन डस्क भी ज़ोहरान विरोधी अभियान में उनके साथ थे। ट्रंप ने मतदान के ऐन पहले सीधे-सीधे धमकी दी थी। ज़ोहरान ममदानी को ही नहीं, न्यूयॉर्क की जनता को भी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति होने के नाते मेरे लिए न्यूयॉर्क को काफ़ी धन देना मुश्किल होगा, क्योंकि अगर एक कम्युनिस्ट न्यूयॉर्क को चलाएगा, तो आप वहाँ पैसे भेजकर उसे सिर्फ़ बर्बाद ही करेंगे- अगर ममदानी चुने जाते हैं, तो इसकी संभावना बहुत कम है कि मैं न्यूनतम क़ानूनी ज़रूरत से ज़्यादा कोई फ़ेडरल फंड दूँ।'

पूँजीवाद के मक्का अमेरिका में ऐतिहासिक कारणों से कम्युनिस्ट शब्द को ख़तरनाक बना दिया गया है। संपत्ति के बँटवारे की कम्युनिस्टों की माँग ने ज़माने से अमेरिकी कॉरपोरेट को बेचैन कर रखा है, जिन्हें आज़ादी छीनने वालों के रूप में प्रचारित किया जाता है। ट्रंप को उम्मीद थी कि 'कम्युनिस्ट' कहे जाने के बाद लोग ज़ोहरान का साथ छोड़ देंगे। ट्रंप ने ममदानी को गिरफ़्तार और निर्वासित करने की धमकी भी दी। न्यूयॉर्क में तीन लोगों के बीच मुक़ाबला था। डेमोक्रेट जोहरान ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्र्यू क्यूमो (जो इंडिपेंडेंट के तौर पर लड़े) और रिपब्लिकन कर्टिस स्लिवा को धूल चटा दी। ट्रंप ने अपनी रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की जगह पूर्व डेमोक्रेट एंड्र्यू क्यूमो को जिताने की अपील की। लेकिन ज़ोहरान ममदानी को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले। ममदानी अब न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम, पहले साउथ एशियन और सदी के सबसे युवा मेयर (34 साल के) बनने जा रहे हैं। 1 जनवरी 2026 को वो पद संभालेंगे।

आखिर ज़ोहरान ममदानी ने ये चमत्कार कैसे किया? एक शख्स जो महज़ सात साल पहले अमेरिका का नागरिक बना, वह न्यूयॉर्क का मेयर बन गया – यह हैरानी की बात है। ज़ोहरान की माँ मशहूर फ़िल्मकार मीरा नायर हैं। पिता हैं कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर महमूद ममदानी, जो मुंबई में जन्मे थे, लेकिन फिर परिवार युगांडा चला गया।

ज़ोहरान का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को कंपाला, युगांडा में हुआ था। पाँच साल की उम्र में ज़ोहरान परिवार के साथ दक्षिण अफ़्रीका चले गये थे, जहाँ पिता महमूद ममदानी केपटाउन यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर बनाये गये थे। सात साल की उम्र में परिवार न्यूयॉर्क आ गया। 2014 में ज़ोहरान ने बोव्डॉइन कॉलेज से 'बैचलर इन अफ़्रीकन स्टडीज़' में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। राजनीति में आने से पहले ज़ोहरान हाउसिंग काउंसलर थे– गरीब लोगों को घर से बेदखल होने से बचाते थे। साथ ही वे हिप-हॉप आर्टिस्ट भी थे – रैप गाते थे।

2018 में ज़ोहरान को अमेरिका की नागरिकता हासिल हुई। 2020 में न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली में चुने गए। 2025 में शादी हुई – रामा दुवाजी से, जो एक कलाकार हैं। और अमेरिकी नागरिक बनने के सात साल बाद वे न्यूयॉर्क के लोगों की उम्मीद बनकर चमके हैं। न्यूयॉर्क अमेरिका का सबसे बड़ा और सबसे जीवंत शहर है। फ़्रांस से मिले उपहार के रूप में 1886 में समुद्र तट पर स्थापित 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' अमेरिका की पहचान है। यह स्वतंत्रता किसी क़ीमत पर बाधित नहीं की जा सकती। लेकिन सवाल है कि इस स्वतंत्रता के अधिकार में सम्मानजनक जीने की स्वतंत्रता शामिल है कि नहीं। न्यूयॉर्क के लोगों के सामने यह बड़ा सवाल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गृह शहर में जीवन स्तर बनाये रखना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। महंगाई और बेरोज़गारी से लोग परेशान हैं।

न्यूयॉर्क में ग़रीबी भी कम नहीं है। हाल ही में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की एक सोशल मीडिया पोस्ट सच्चाई बयान करती है। उन्होंने लिखा – 'अमेरिका के चार करोड़ सत्तर लाख नागरिकों को पोषणयुक्त भोजन नहीं मिलता। हर पाँच बच्चों में से एक का भी यही हाल है, जिसका बचपन कुपोषित है।'

ज़ोहरान ममदानी ने इन्हीं समस्याओं पर उँगली रखी, जो उनके खिलाफ़ फैलाये गये तमाम उन्माद पर भारी पड़ी। ममदानी का कैंपेन था – 'सस्ता न्यूयॉर्क।' किराया फ्रीज – 10 लाख अपार्टमेंट्स पर 4 साल तक किराया नहीं बढ़ेगा।2 लाख किफायती घर बनाएँगे

सबवे और बसें तेज़ करेंगे – एमटीए पर दबाव डालकर। मुफ्त बसें लाने की कोशिश।हर बच्चे के लिए मुफ्त डे-केयर (6 हफ्ते से)। मिनिमम वेज 30/घंटा – 2030 तक। तथा अमीरों पर टैक्स बढ़ाना।

ममदानी के कैंपेन को हर तरफ़ से समर्थन मिला। ख़ासतौर पर ग़रीबों ने उन्हें हाथों हाथ लिया। जबकि जनता की आर्थिक बदहाली के लिए ज़िम्मेदार राजनीति और राजनेता हमेशा चाहते हैं कि चुनाव भावनात्मक मुद्दों पर हो और मीडिया पर अपने नियंत्रण के ज़रिए बाज़ी मार लें। न्यूयॉर्क का मेयर पद कोई दिखावे का पद नहीं है। यह एक तरह से शहर का सीईओ है। मेयर शहर का पूरा बजट चलाता है – जो 2025 में 100 अरब डॉलर से ज़्यादा था। पुलिस विभाग भी मेयर के नियंत्रण में रहता है। हालांकि टैक्स बढ़ाना वो राज्य सरकार का काम है। तो मेयर शहर का सीईओ है – लेकिन राज्य सरकार की निगरानी में। ज़ाहिर है, ममदानी के ऊपर बड़ी ज़िम्मेदारी है और उनसे उम्मीदें भी बड़ी हैं।

ममदानी की जो विश्वदृष्टि है, वह उन्हें अमेरिका के एक चमकदार भावी नेता बता रही है। वे अपने विचारों को खुलकर व्यक्त करते हैं। कुछ समय पहले उन्होंने इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा था: 'अगर मैं मेयर बना, तो नेतन्याहू को न्यूयॉर्क आने पर एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार करवाऊंगा।' वहीं ट्रंप पर भी ज़ोहरान ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा था: 'मेयर के तौर पर ट्रंप की नीतियों का विरोध करूंगा, जैसे ICE की छापेमारी रोकना। फंड कटौती और गिरफ्तारी की ट्रंप की धमकी 'लोकतंत्र पर हमला' है।' अपनी विक्ट्री स्पीच में ज़ोहरान ने भारत की आज़ादी की घोषणा करते हुए पं. नेहरू के 'नियति से साक्षात्कार' वाले मशहूर भाषण के अंश का इस्तेमाल किया।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आरजेडी के नेता बिहार की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा गए

● पीएम मोदी बोले-राजद वाले र से रंगदारी-फ से सिर्फ फिरौती जानते हैं

इनकी पाठशाला में घ से घोटाला और प से परिवारवाद की ट्रेनिंग होती है

अररिया (एजेंसी)। बिहार में पहले फेज की वोटिंग के बीच पीएम मोदी नवादा में सभा की। यहां उन्होंने कहा कि एक बार फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। आज पहले चरण का मतदान हो रहा है। बिहार की बेटियां अपने प्रदेश को जंगलराज से दूर रखने के लिए वोटिंग कर रही हैं। पीएम ने कहा कि, आरजेडी के पोस्टर में कांग्रेस के नामदार की कहीं तस्वीर लगी है क्या। इन दोनों पार्टियों में ही तनातनी चल रही है। कांग्रेस के नामदार बिहार आना भी नहीं चाहते थे, लेकिन

इनको जबरदस्ती लाया गया है। पीएम ने कहा कि राजद वालों को फ फरौती, र से रंगदारी, प से परिवारवाद और घ से घोटाला ही सिखाया जाता है। इससे पहले पीएम मोदी ने अररिया में सभा की थी। वहां उन्होंने कहा था कि, आज बिहार में पहले चरण के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरें आ रही हैं। बूथों पर सुबह से लाइन लगी हैं। आज पूरे बिहार से एक ही आवाज आ रही है फिर एक बार एनडीए सरकार। आरजेडी के नेता बिहार की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा गए।

● **कट्टा-क्रूरता ही इनकी पहचान है**– पीएम मोदी ने कहा कि,विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली आरजेडी और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां आरजेडी और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है।

छिटपुट घटनाओं के बीच बिहार में बंपर वोटिंग

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में 18 जिलों की 121 सीटों पर अबकी बार बंपर वोटिंग हुई है। शाम 6 बजे तक 65 फीसदी से ज्यादा मतदान की खबर थी। हालांकि कुछ सीटों पर 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। दोपहर 3 बजे तक 53.77 वोटिंग हुई है। आज की 121 सीटों में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है। बिहार की 243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे।

● मतदान को लेकर महिलाओं और जेन जी में दिखा जबर्दस्त उत्साह

वैशाली में राजद प्रत्याशी के भड़काने पर लोगों ने सीआरपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके। दरअसल, आरजेडी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुटे हुए थे, जवानों ने उन्हें हटाया तो हंगामा हो गया। हालांकि, इसमें किसी को चोट नहीं आई है। सीवान के गोरेया कोठी विधान सभा के लकड़ी नवीगंज प्रखंड की बूथ संख्या 349-350 पर बीजेपी प्रत्याशी देवेशकांत सिंह का घेराव हुआ।

शरद की सुबह

जितना गिराता हूँ
उतनी ऊंची होती जाती है
मेरे कारागार की दीवार।
दीवार के पार है वह बहुत दूर
किसी चाँद की तरह,
जिसके पास है मेरे अंधेरों का इलाज,
इधर घनघोर अंधेरे में
मैं ही गिर गिर जाता हूँ बारबार
इस दीवार को गिराने में।
लेकिन
क्या होगा अगर यह दीवार
गिर भी गई तो,
क्या उस चाँद को भी कोई फिक्र है
मेरे इन अंधेरों की ?
या मेरा ही इस पार का
अंधेरा उकसाता है मुझे
मेरे कारागार में?
क्या उसे भी कोई फर्क पड़ेगा
इस दीवार के गिर जाने से,
या मेरे ही गिर जाने से
उस अंधेरे की खन्दक में
जिसे मैं भूल से ज़िन्दगी समझता हूँ।

– गोविंद गुंजन

सीएम ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए गठित केंद्रीय समिति के सदस्यों के साथ बैठक की

अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार कर रही निरंतर कार्यः मुख्यमंत्री

सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्यों से चर्चा की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक विकास तथा कल्याण के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। योजनाओं और कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य शासन विभिन्न सुझावों के प्रति संवेदनशील और नवाचारों के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास पहुंची अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए गठित केंद्रीय संसदीय समिति

के सदस्यों के साथ चर्चा में यह बात कही। केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष श्री कुलस्ते ने बताया कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय समिति द्वारा मैदानी स्तर पर समीक्षा की जा रही है। साथ ही कर्मचारियों के सेवा में प्रतिनिधित्व और उनके लिए संचालित कल्याणकारी गतिविधियों की प्रगति का भी आकलन किया जा रहा है। योजनाओं व कार्यक्रमों के संबंध में समिति ने स्थानीय समुदायों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद किया है। समिति द्वारा तैयार की जा रही यह रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय समिति प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर थीं। समिति में राज्यसभा सांसद श्री मिथलेश कुमार, श्रीमती ममता ठाकुर, श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती फूलो देवी नेताम, श्री रवांगारा नार्जरी, लोकसभा सांसद श्री हरीश मीना, श्री अरूण कुमार, श्रीमती प्रोतिमा मंडल, श्री जगन्नाथ सरकार, श्री गोविंद करजोल, श्री डी. प्रसाद राव और श्री विष्णु दयाल राम शामिल थे।

एनडीए की डबल इंजन सरकार ने बिहार में विकास का नया अध्याय बनायाः सीएम

रहिका (मधुबनी)। राजग गठबंधन की सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन के साथ सर्वांगीण विकास का काम किया है। एनडीए की डबल इंजन सरकार ने बिहार में विकास का नया अध्याय बनाया है। आज बिहार विकास की ओर अग्रसर है।

यह बातें रहिका हाईस्कूल के मैदान में बिस्फी विधानसभा क्षेत्र के एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी हरिभूषण ठाकुर बचौल के समर्थन में चुनाव सभा को संबोधित करते हुते मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कही। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का एजेंडा को साकार नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किया है। माता सीता की जन्म स्थली को भी विकास का नया स्वरूप देकर राजग गठबंधन सरकार निर्माण कर रही है। एनडीए सरकार ने बिहार में महिलाओं को सबल बनाने के लिए दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता दिया है और आगे भी दो लाख रुपए देकर नारी शक्ति को अधिक मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडी गठबंधन सरकार झूठे वायदे कर लोगों का भरमा रही है।

दिल्ली के ऊपर उड़ने वाले विमानों को मिले गलत सिग्नल

● नेविगेशन और विमान की पोजीशन बताने में गलती, सरकार ने जांच शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले एक हफ्ते से विमानों के जीपीएस सिग्नल में फेक अलर्ट आ रहे हैं। इसे जीपीएस स्पूफिंग भी कहते हैं। इसके तहत पायलटों को गलत लोकेशन और नेविगेशन डेटा अलर्ट मिल रहे हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल के सूत्रों के अनुसार दिल्ली के करीब 100 किमी के दायरे में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। फ्लाइट रेगुलेटर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन को इसके बारे में जानकारी दे दी गई है। स्पूफिंग एक प्रकार का

साइबर अटैक है जो नेविगेशन सिस्टम को गुमराह करने के लिए फेक जीपीएस सिग्नल भेजता है। ज्यादातर इसका इस्तेमाल वॉर जोन में किया जाता है, ताकि दुश्मनों के ड्रोन और विमानों को नष्ट किया जा सके। पायलट ने बताया- लैंडिंग के वक्त आया फेक अलर्ट एक एयरलाइंस के पायलट ने बताया कि पिछले हफ्ते उन्होंने 6 दिन फ्लाइट उड़ाई और हर बार जीपीएस स्पूफिंग का सामना करना पड़ा। पायलट के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट पर एक बार फ्लाइट लैंड करने के दौरान, उसके कॉकपिट सिस्टम में अलर्ट आया कि आगे रूट पर कोई खतरा है। वास्तव में वहां ऐसा कुछ नहीं था।

रैना और धवन के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

ईडी ने सट्टेबाजी एप केस में करोड़ों की संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है। ईडी ने बताया कि इस कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। यह कदम ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के चलते उठाया गया है। ईडी ने कहा कि उन्होंने मुद्रास्फीति निवारण अधिनियम, 2002 के तहत सुरेश रैना और शिखर धवन की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब क्रिकेट जगत में खिलाड़ियों की वित्तीय गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जांच में ईडी को पता चला कि धवन और रैना ने जानबूझकर विदेशी कंपनियों के साथ एंडोर्समेंट समझौते किए थे। ये कंपनियां और उससे जुड़ी अन्य ब्रांडों का प्रचार कर रही थीं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 07 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

यश घनघोरिया एमपी यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बने

चुनाव परिणाम घोषित 2.38 लाख वोट पाकर भोपाल के अभिषेक दूसरे नंबर पर रहे

भोपाल (नप्र)। एमपी यूथ कांग्रेस के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जबलपुर विधायक और पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के बेटे यश घनघोरिया ने एमपी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में जीत दर्ज की है। यश को सबसे ज्यादा 3 लाख 13 हजार 730 वोट मिले हैं। जबकि भोपाल के अभिषेक परमार 2,38,780 वोट पाकर दूसरे नंबर पर रहे हैं।

15 लाख युवाओं ने भरे थे मेंबरशिप फार्म- 18 अप्रैल को एमपी में यूथ कांग्रेस के चुनावों की घोषणा के साथ ही सदस्यता शुरू हुई थी। ऑनलाइन मोड पर एप के जरिए कराई गई मेंबरशिप में हर नए सदस्य को 50 रुपए सदस्यता शुल्क भी अदा करना था। 20 जून से 19 जुलाई तक चलाए गए सदस्यता अभियान में 15,37,527 युवाओं ने सदस्यता फॉर्म भरे। इनमें से 63,153 युवाओं ने सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया।

इंदौर में सीजन की सबसे ठंडी रात, पारा-12.1 डिग्री

भोपाल, ग्वालियर में भी लुढ़का पारा, एमपी में अब बारिश नहीं...ठंड बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर थामने के बाद ठंड का असर बढ़ने लगा है। बुधवार रात कई शहरों में पारा काफी लुढ़क गया। इंदौर में सीजन की सबसे ठंडी रात रही। यहां पर न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 13 डिग्री, ग्वालियर में 16.3 डिग्री, उज्जैन में 14.5 डिग्री और जबलपुर में 18.2 डिग्री दर्ज किया गया।

राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 11 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इस सीजन में पहली पार तापमान में इतनी गिरावट देखने को मिली है। सभी शहरों में तापमान 20 डिग्री से कम ही रहा। पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू होना भी इसकी एक वजह है।

नमी की वजह से नहीं लुढ़का पारा- मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में बने सिस्टम के कारण बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों तरफ से नमी आई। जिससे बादल छाए रहे। इस वजह से दिन का तापमान नहीं बढ़ सका।

वर्तमान में हरियाणा के पास एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) बना हुआ है। इस वजह से यह प्रदेश में ठंडी हवा आने से रोक रहा है। अगले 24 में यह चक्रवात उत्तर भारत में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस में समाहित हो जाएगा। इसके बाद ही हमारे यहां ठंड का असर शुरू होगा।

रात में 20 डिग्री के नीचे पारा

बता दें कि पिछले 24 घंटे के दौरान श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना, बैतूल, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर और छिंदवाड़ा जिलों में हल्की बारिश हुई। इसके साथ दिन के तापमान में भी गिरावट हुई।

नरसिंहपुर में एक ही रात में पारा 5.4 डिग्री लुढ़ककर 17.2 डिग्री पर आ गया। छिंदवाड़ा-मंडला में 17.6 डिग्री, नौगांव में 15 डिग्री, रीवा में 15.8 डिग्री, सिवनी में 17.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 16.8 डिग्री, उमरिया में 17.3 डिग्री, मलाजखंड में 16.7 डिग्री, भोपाल में 18.8 डिग्री, इंदौर में 18.2 डिग्री, उज्जैन में 18.3 डिग्री, ग्वालियर में 20.1 डिग्री, खंडवा-शिवपुरी में 17 डिग्री, खरगोन में 17.8 डिग्री, पचमढ़ी में 17.2 डिग्री रहा।

इधर, बुधवार को दिन में पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री रहा। रायसेन में 27 डिग्री, बैतूल में 26.7 डिग्री, श्योपुर में 29.6 डिग्री, छिंदवाड़ा-दमोह में 29.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 29.6 डिग्री, सिवनी में 28 डिग्री, सीधी में 28.8 डिग्री, उमरिया में 29.9 डिग्री और मलाजखंड में पारा 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कनाडा में मास वीजा कैंसलेशन की है तैयारी

- कार्नी सरकार ने तैयार किया ट्रंप जैसा प्लान

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा जाने का सपना देखने वालों के लिए एक बुरी खबर आई है। कनाडा की कार्नी सरकार अब ट्रंप की राह पर चलती दिखाई दे रही है। यह ऐसा प्रस्ताव ला रही है, जिससे बड़े पैमाने पर अस्थायी वीजा को रद्द किया जा

सकेगा। इस कदम से बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों पर असर पड़ सकता है। कनाडाई मीडिया आउटलेट सीबीएस न्यूज ने आंतरिक दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजेनशिप कनाडा और कनाडा सीमा सेवा एजेंसी मांग कर रहे हैं कि धोखाधड़ी या दुरुपयोग के सबूत पाए जाने पर उन्हें अस्थायी निवासी वीजा को सामूहिक रूप से रद्द करने का अधिकार दिया जाए।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने जारी की इकॉनामी रिपोर्ट

नवरात्र से दिवाली तक 6.5 लाख करोड़ का व्यापार

भोपाल (नप्र)। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने नवरात्र से दिवाली और फिर 1 नवंबर से 14 दिसंबर तक शादियों के बिजनेस को लेकर इकॉनामी रिपोर्ट जारी की है।

कैट के महामंत्री और दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने भोपाल में दावा किया कि नवरात्र से दिवाली तक देश में 6.5 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। वहीं, 1 नवंबर से 14 दिसंबर तक शादियों से ही 5 लाख करोड़ रुपए का बिजनेस होगा।

संगठन की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक लेने भोपाल पहुंचे महामंत्री खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी का स्लैब कट होने से मध्यप्रदेश समेत पूरे देश के व्यापार में उठाव आया है। नवरात्र से दिवाली तक साढ़े 6 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। अकेले छठ महापर्व के दौरान ही 50 हजार करोड़ रुपए का बिजनेस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, 1 नवंबर से 14 दिसंबर तक जो शादियां होंगी, उसमें करीब 6 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने का अनुमान है। कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेंद्र जैन, प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार गुप्ता, पूर्व सीजीएसटी कमिश्नर नवनीत गोयल, प्रदेश महामंत्री राजीव खंडेलवाल, सुनील जैन, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा भी मौजूद थे। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों में सभी बिंदुओं पर ब्ल्यू प्रिंट तैयार होगा और फिर उस पर अमल किया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिखाएंगे ब्लू प्रिंट- महामंत्री खंडेलवाल ने कहा कि पूरे कार्यक्रम का ब्ल्यू प्रिंट तैयार कर रहे हैं। अगले तीन से चार दिन में यह ब्लू प्रिंट राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया को देंगे। उनकी मंजूरी के बाद इसे जारी कर देंगे।

एमपी में 12 शहरों में सर्वे हो चुका...30 हजार करोड़ के बिजनेस की आस

इससे पहले कैट मध्यप्रदेश को लेकर भी अपनी स्टडी रिपोर्ट जारी कर चुका है। कैट ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 12 शहरों में स्टडी सर्वे किया था।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री जैन ने बताया कि इस साल प्रदेश में 1 नवंबर से 14 दिसंबर तक कुल 1.85 लाख शादियां होने जा रही हैं। यह संख्या पिछले साल से लगभग 30 हजार ज्यादा है। पिछले साल इसी अवधि में 1.56 लाख शादियां हुई थी। इस साल विवाह 21 नवंबर से शुरू होंगे।

कैट ने वेडिंग प्लानर, बैंक्वेट हॉल, रिटेलर्स और ट्रेड एसोसिएशनों से डेटा जुटाया। अनुमान शादी के लिए हुई प्री-बुकिंग्स पर आधारित है। जिलाध्यक्ष शर्मा ने बताया, लोग अब शादी में कपड़े, गहने, डेकोरेशन और गिफ्ट जैसी 70 प्रतिशत खरीदी लोकल उत्पादों से कर रहे हैं। इससे पारंपरिक कारीगरों, हैंडीक्राफ्ट, वस्त्र और जूलरी कारोबार को नया जीवन मिल रहा है।

पंचर ट्रॉली खड़ी थी सड़क पर, आकर घुसी बाइक

- राजस्थान में फिर 6 लोगों की गई जान, डरे लोग

सीकर (एजेंसी)। प्रदेश में लगातार हादसों की बाढ़ आ रही है। इन दुखद हादसों में एक बार फिर तीन परिवारों ने अपनों को खो दिया है। ताजा मामला सीकर जिले के श्रीमाधोपुर क्षेत्र का है। यहां दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया, जिसमें

तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रात्रि करीब एक बजे के आसपास थोई-कांवट बाईपास रोड पर हुआ। थोई थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया की बाइक पर सवार होकर आ रहे प्रीतमपुरी निवासी दो सगे भाई दिनेश कुमार सैन, दीपक सैन तथा चचेरे भाई हिमांशु सैन सड़क के किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। बताया जा रहा है कि ट्रॉली का टायर पंचर था और वह सड़क किनारे खड़ी थी। हादसे के बाद तीनों को अस्पताल लाया गया,जहां उनकी मौत हो गई।

आंध्र प्रदेश के सलूर में चलती बस में लगी आग

- ड्राइवर ने तुरंत यात्रियों को बाहर निकाला

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सलूर में गुरुवार सुबह बस में आग लग गई। हादसे के वक्त बस में 10 यात्री सवार थे। ड्राइवर ने तुरंत सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इससे पहले 24 अक्टूबर को कुर्नूल में प्राइवेट बस में आग लग गई थी जिसमें 20 यात्री

जिंदा जल गए थे। बस पहाड़ी चढ़ाई चढ़ रही थी तभी अचानक इंजन से चिंगारियां निकलने लगीं और धुआं उठने लगा। ड्राइवर ने तुरंत बस रोक दी और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कुछ ही देर में इंजन में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर टेंडर मौके पर पहुंचा और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के काफिले पर हुआ हमला

लखीसराय में चप्पल फेंकी, मुर्दाबाद के लगाए नारे

लखीसराय (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के काफिले पर लखीसराय में हमला किया गया। राजद समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा की कार को घेर लिया। चप्पलें फेंकी और मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिसकर्मी मौजूद हैं। विजय सिन्हा बोले-आरजेडी के गुंडों ने हमला किया। घटना के दौरान राजद समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री की कार को घेर लिया, उन पर चप्पलें फेंकीं और मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद थे। इस हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने सीधे राष्ट्रीय जनता दल पर गुंडागर्दी का आरोप लगाया। ये राजद के गुंडे हैं।

एनडीए सत्ता में आ रही है... गुंडे मुझे गांव में जाने नहीं दे रहे हैं। विजय सिन्हा जीतने वाले हैं... उन्होंने मेरे पोलिंग एजेंट को भगा दिया और उसे वोट नहीं देने दिया... उनकी गुंडागर्दी देखिए।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी

- तापमान माइनस में पहुंचा, गुलमर्ग बना व्हाइट वंडरलैंड

दिल्ली-यूपी समेत 7 राज्यों में ठंड बढ़ी, पारा भी गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालय के तीन राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में गुलमर्ग व्हाइट वंडरलैंड में बदल गया है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम भी बर्फ से ढंक गए हैं। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों लाहौल और स्पीति और किन्नौर, कुल्लू में ताजा बर्फबारी हुई, जिससे तापमान में गिरावट हुई है। देशभर से लोग बर्फबारी का नजारा देखने पहुंच रहे हैं। ताबो में पारा माइनस 2.2ए, कुकुमसेरी में माइनस 1.8 और केलांग में 0.4 दर्ज किया गया। इधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में नजर आने लगा है। दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, झारखंड में ठंडी हवाएं चलने से तापमान में 3ए तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक इन राज्यों में अगले 3 दिन में ठंड जोर पकड़ लेगी। उत्तर भारत से वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म होने के साथ ही राजस्थान में मौसम साफ हो गया। बीकानेर, चूरू, गंगानगर समेत कुछ शहरों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिर गया।

पश्चिम बंगाल के तालाब में मिले सैकड़ों आधार कार्ड

- भाजपा ने कहा-ये फर्जी दस्तावेज, टीएमसी बोली-एसआईआर को लेकर बंगाल में 8वीं आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के बीच सैकड़ों आधार कार्ड एक तालाब में मिला है। मामला बर्धमान जिले के ललितपुर इलाके का है। इसे लेकर तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने आ गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ललितपुर में लोग एक

तालाब की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान तालाब के पानी में एक बड़ा बोरा मिला। इसमें कई आधार कार्ड थे। बंगाल भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका वीडियो शेयर किया। बीजेपी ने कैप्शन में लिखा- ममता बनर्जी सत्ता के सिंहासन पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए देश की संप्रभुता से भी समझौता करने को तैयार हैं। हजारों फर्जी आधार कार्डों की बरामदगी यह बता रही है।

राहुल ने जिसकी फोटो दिखाई वह ब्राजीलियन मॉडल सामने आई

कहा-क्या पागलपन है, मैं भारत नहीं गई,दावा-10 बूथ पर इनके 22 वोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर दिखाई थी, उसका एक वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई अकाउंट से महिला का वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया गया कि उनका नाम लेरिसा है। वीडियो में महिला पुर्तगाली भाषा में बात करते हुए कहती है- दोस्तों, मैं आपको एक जोक सुनाती हूं। यह बहुत ही भयानक है! भारत में वोट देने के लिए मेरी तस्वीर का इस्तेमाल हो रहा है। मुझे भारतीय बताकर आपस में लड़ रहे हैं। देखो, क्या पागलपन है! मैं तो कभी भारत भी नहीं गई। राहुल ने कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि हरियाणा में 2024 विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोट चोरी हुए। राहुल ने नीली डेनिम जैकेट पहने एक लड़की की फोटो दिखाकर सवाल किया कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल का क्या काम। उन्होंने कहा- ब्राजीलियन मॉडल ने हरियाणा में 10 बूथ पर कभी

सीमा, स्वीटी तो कभी सरस्वती के नाम पर 22 वोट डाले। राहुल ने ब्राजीलियन मॉडल का नाम नहीं बताया। हालांकि, यह तस्वीर अनस्प्लैश और पेक्सेल्स जैसी स्टॉक फोटोग्राफी वेबसाइटों पर फ्री डाउनलोड के लिए मौजूद है। दोनों वेबसाइटों से इस तस्वीर को 4 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया है।

देश के प्रधानमंत्री हमारे पोस्टर्स की फोटो नाप रहे

- मोतिहारी में प्रियंका गांधी बोलीं-अगर चुनाव निष्पक्ष हुआ तो हमारी सरकार आना तय

मोतिहारी (एजेंसी)। पहले फेज के चुनाव के बीच गुरुवार को प्रियंका गांधी पूर्वी चंपारण के गोविंदपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी भाषण क्या देते हैं। कांग्रेस के पोस्टर पर आरजेडी की फोटो लगी है। आरजेडी की फोटो पर कांग्रेस की छोटी फोटो लगी है। देश के प्रधानमंत्री हैं क्या और कोई काम नहीं है, जो हमारे पोस्टर्स की फोटो नापे। कहते हैं हम आपका अपमान कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि, हम आपके लिए अच्छे काम कर रहे हैं, लेकिन वो कहते हैं अपमान कर रहे हैं। कल राहुल गांधी ने दिखाया किस तरह से सरकार

वोटों की चोरी कर रही है। अगर ये चुनाव निष्पक्ष हुआ तो हमारी सरकार आना तय है। उन्होंने ने कहा कि चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ मंहगा हो गया है। प्रियंका ने आगे कहा कि, बिहार में एक जमाने में बड़े-बड़े पुल बने थे। अब हाल ये है कि 3 साल में 27 पुल गिरे हैं।

हलाला के बाद भी पत्नी को अपनाने से इंकार

इंदौर। खजराना क्षेत्र में महिला को दहेज की मांग पूरी न करने की सजा के तौर पर तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। इसके साथ ही जबरन हलाला भी कर दिया। मामला सामने आने पर पुलिस ने पति और सास के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी रोशन नगर निवासी फरहाना खान ने बताया कि उसका निकाह वर्ष 2010 में अशरफी नगर निवासी वसीम पठान से हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद से ही वसीम और उसकी मां गुड्डी बी दहेज की मांग को लेकर फरहाना को परेशान करने लगे। फरहाना के तीन बच्चे होने पर सास ने खर्चे का हवाला देते हुए उसे ताने देने शुरू कर दिए। फरहाना के मुताबिक, एक दिन वसीम ने दहेज की पूर्ति न होने पर उसे तीन बार तलाक कह दिया और घर से निकाल दिया। दो बच्चों को उसने अपने पास रख लिया। फरहाना ने जब दोबारा साथ रहने की गुजारिश की तो वसीम ने शर्त रखी कि पहले हलाला करना होगा। मजबूरी में फरहाना ने सईद नाम के व्यक्ति से निकाह किया और कुछ समय उसके साथ रही, लेकिन बाद में वसीम ने उसे अपनाने से इनकार कर दिया। आखिरकार फरहाना ने मंगलवार को थाने पहुंचकर पति वसीम पठान और सास गुड्डो बी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जिम से लौटे युवक को अटैक, मौत हुई

इंदौर। जिम से लौटने के बाद मंगलवार शाम को युवक की हार्टअटैक से मौत हो गई। युवक ने जिम के बाद हाफ फ्राई अंडा खाया था, जिसके बाद उसे एसिडिटी और घबराहट महसूस हुई। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हार्टअटैक से मौत होना बताया। मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान संदीप (32) पिता श्याम सोनगिरा निवासी सुखलिया ग्राम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जिम से लौटने के बाद संदीप अपनी दुकान पहुंचा और वहां हाफ फ्राई खाया। कुछ देर बाद जब वह घर लौटा तो उसे एसिडिटी और बेचैनी महसूस होने लगी। छोटे भाई प्रदीप ने बताया कि संदीप ने सीने में जलन और घबराहट की शिकायत की तो वह उसे बाइक से डॉक्टर के पास ले जाने लगा। रास्ते में ही संदीप बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे तत्काल भंडारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि की। परिजनों ने बताया कि संदीप खातीपुरा इलाके में जय पान सदन और एग फ्रेश की दुकान संचालित करता था। वह फिटनेस को लेकर काफी सजग था और रोज जिम जाता था। संदीप के परिवार में माता-पिता, छोटा भाई, पत्नी और दो बच्चे हैं। तीन माह पहले ही उसकी बेटी का जन्म हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने खजराना गणेश मंदिर में पूजा की

इंदौर। देव दीपावली पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने खजराना गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान गणेशजी का अभिषेक, आरती और छप्पन भोग अर्पित किया। पूजा के बाद उन्होंने मंदिर परिसर स्थित अन्न क्षेत्र का अवलोकन किया और भक्तों के साथ प्रसादी ग्रहण की। उन्होंने कहा कि आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए खजराना गणेश मंदिर का विस्तार किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन में अधिक सुविधा मिल सके। मंदिर के पुजारी भट्ट परिवार ने कलेक्टर को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और आगामी विकास कार्यों की जानकारी दी। ज्ञात हो कि खजराना मंदिर के अन्न क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों भक्त निःशुल्क भोजन करते हैं। अन्न क्षेत्र सुबह 11 बजे से लेकर देर रात तक चलता है। इस अवसर पर बुधवार को पूड़ी, बूंदी और मिक्स सब्जी की विशेष प्रसादी तैयार की गई थी।

निगम आयुक्त ने लापरवाही पर कार्रवाई की

इंदौर। आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने गुरुवार सुबह झोन क्रमांक 2 के अंतर्गत बजाज खाना चौक, टिंबर मार्केट, राज मोहल्ला, गंगवाल बस स्टैंड और धार रोड क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की और लापरवाही पाए जाने पर दरोगा अनिल गोसर और राजकुमार नरवाले को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने एनजीओ 'बेसिक्स' के प्रतिनिधियों को भी फटकार लगाते हुए मार्केट खुलने से पहले विशेष सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज मोहल्ला उद्यान में सफाई व्यवस्था सुधारने, पाथवे निर्माण और बोरिंग कराए जाने के साथ ही बैकलेन क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान और सीमेंटीकरण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आयुक्त यादव ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करें।

महापौर ने पेंचवर्क कार्यों का निरीक्षण किया

इंदौर। शहर की सड़कों को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा जारी पेंचवर्क अभियान का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। बुधवार देर रात उन्होंने पलासिया चौराहा, मालीपुरा, बांगड़दा रोड और सिंगापुर टाउनशिप क्षेत्र में चल रहे कार्यों का स्थलीय जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा पर चर्चा करते हुए 15 दिनों में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर ने रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के साथ चाय पीकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इंदौर की सड़कें नागरिकों की सुविधा और शहर की पहचान हैं, इसलिए प्रत्येक क्षेत्र में कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन विभाग ने घायल बंदर का रेस्क्यू किया

इंदौर। तीन दिन से घायल बंदर जो शिवाजी वाटिका से व्हाइट चर्च क्षेत्र के बीच घूम रहा था, आखिरकार वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बंदर के घायल होने की जानकारी नागरिक प्रियांशी जैन पीपल फॉर एनिमल्स इंदौर ने बुधवार-गुरुवार रात करीब 1-30 बजे वन विभाग की रेंजर संगीता ठाकुर को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम रात दो बजे मौके पर पहुंची और बताए गए क्षेत्र में लगातार तलाश शुरू की। कई घंटों की मशक्कत और सर्चिंग अभियान के बाद आखिर टीम को घायल बंदर दिखाई दिया। सावधानीपूर्वक उसे पकड़कर सुरक्षित रूप से उपचार के लिए वन विभाग कार्यालय लाया गया,जहां पशु चिकित्सक द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। रेंजर ठाकुर ने बताया कि बंदर को पूरी तरह स्वस्थ होने तक देखरेख में रखा जाएगा और बाद में प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जाएगा। इस पूरे अभियान में वन विभाग की टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय दिया।

सड़कों के गड्ढे भरने का काम तेज, 15 दिन में मुख्य मार्गों का पेंचवर्क

इंदौर। बारिश के चलते शहर की सड़कों की जर्जर हालत को सुधारने के लिए नगर निगम ने एक बार फिर सड़क मरम्मत अभियान शुरू कर दिया। बुधवार रात महापौर पुष्यमित्र भार्गव खुद फील्ड में उतरे और रावजी बाजार, फूटी कोठी रोड तथा बॉम्बे हॉस्पिटल क्षेत्र में चल रहे पेंचवर्क कार्यों का निरीक्षण किया। महापौर ने मौके पर ठेकेदारों और अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंचवर्क की गुणवत्ता पर किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों को अगले पंद्रह दिनों में गड्ढा मुक्त किया जाएगा। वर्तमान में प्रतिदिन चार से अधिक स्थानों पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है, जिसके बाद वार्ड स्तर पर सड़कों और गलियों का कार्य शुरू होगा।

इंदौर से आणंद गए पशु चिकित्सक 12 घंटे बाद वड़ोदरा के पास बेहोश मिले

उनके साथ कार से एक युवक भी गयी, उसने बेहोश करके लूटा

इंदौर। मंगलवार सुबह घर से आणंद जाने का कहकर कार से निकले पशु चिकित्सक हरिशंकर रघुवंशी (48 साल) निवासी महालक्ष्मी नगर वड़ोदरा के पास अपनी कार में बेहोश मिले। जब वे बुधवार सुबह तक आणंद नहीं पहुंचे और मोबाइल भी बंद मिला, तो परिजनों ने काफी देर तक तलाश करने के बाद लसूड़िया थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने भी डॉक्टर को ढूंढना शुरू किया। इस बीच, करीब 12 घंटे बाद वे वडोदरा के पास अपनी कार में बेहोश मिले। रघुवंशी गुजरात के आणंद स्थित आईबी कंपनी में काम करते थे। इसलिए वे अक्सर गुजरात जाते थे।

एडिशनल डीसीपी (क्राइम ब्रांच) राजेश दंडोतिया ने बताया कि वे मंगलवार सुबह घर से कंपनी की कार (जीजे-21-सीए-0643) में निकले थे। लेकिन, वे शाम तक गुजरात नहीं पहुंचे। बेटी शोभा रघुवंशी ने बताया कि

पिता की आखिरी लोकेशन मुंबई में आई थी। इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो पाया। उनका मोबाइल भी बंद आ रहा है।

शिकायत के बाद लसूड़िया पुलिस ने टीम गठित की और उनकी तलाश शुरू कर दी। उनकी लिंक लोकेशन के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए। दंडोतिया ने बताया कि उनके साथ एक युवक जाता दिखाई दे रहा है, लेकिन परिजन उसे नहीं पहचानते। परिजन उन्हें लेने वड़ोदरा रवाना हो गए हैं। रास्ते के सीसीटीवी फुटेज तलाशने पर उनके साथ एक युवक दिखाई दिया।

सफ़ेद शर्ट पहले इस युवक के साथ वे रेस्टोरेंट में जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, पशु डॉक्टर एक ऐप इस्तेमाल करते हैं, जिसके जरिए अकेले कार में सफर करने वाले अपने साथ सवारी के तौर पर किसी को ले जाते हैं। इस बार के सफर में वे एक युवक को ले गए थे जिसने उन्हें कोई नशीला पदार्थ पिलाकर लूट लिया। उनका बैग और मोबाइल लेकर भाग गया,बताते हैं कि मोबाइल के यूपीआई का इस्तेमाल करते हुए उनके खाते से पैसे भी निकले। अभी ये पता नहीं चला कि कितने पैसे ट्रांसफर हुए हैं।

नकल पर नियंत्रण के लिए 'डीएवीवी' ने सरकारी कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया

स्नातकोत्तर परीक्षा में नकल रोकने के लिए अपनाया नया फॉर्मूला

इंदौर। ए ग्रेड प्राप्त देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने स्नातकोत्तर कोर्स की तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए नवाचार किया है। इस बार यूनिवर्सिटी ने परीक्षा केंद्र बनाने के रूप में सरकारी कॉलेज चुने हैं। इसके पीछे प्रमुख कारण यह सामने आया है कि पिछले वर्ष सबसे अधिक नकल प्रकरण प्राइवेट कॉलेज में बनाए गए हैं। इस बार लगभग 70 प्रतिशत परीक्षा केंद्र सरकारी कॉलेजों में बनाए गए हैं, ताकि अनुशासन पारदर्शिता और सुनिश्चित किया जा सके। जानकारी अनुसार यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं इन दिनों हो रही हैं, जिनमें एमए, एमकॉम, एमएससी, एमएसडब्ल्यू सहित अन्य पीजी कोर्स के विद्यार्थी शामिल हैं। यूनिवर्सिटी ने कुल 40 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया है, जिनमें 28 सरकारी

और 12 निजी कॉलेज हैं। ये केंद्र इंदौर, धार, झाबुआ और बड़वानी में स्थित हैं। करीब 35 हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। नकल पर अंकुश लगाने के लिए डीएवीवी ने कई सख्त प्रावधान किए हैं। संवेदनशील केंद्रों पर विशेष ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं, जो परीक्षा की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। प्रश्नपत्र के बंडल सीसीटीवी कैमरे के सामने ही खोले जाएंगे और केंद्राध्यक्षों को प्रत्येक परीक्षा के बाद रिपोर्ट देना अनिवार्य किया गया है, साथ ही ऑब्जर्वर को भी उपस्थिति और परीक्षा संचालन से संबंधित रिपोर्ट सौंपनी होगी।

बिजली के तारों पर लताओं का डेरा, फिर भी मेंटेनेंस के नाम पर घंटों कटौती

बारिश का मौसम बीतने के बाद भी कायम हरियाली का राज

इंदौर। मेंटेनेंस के नाम पर घंटों कटौती करने के बाद भी बिजली कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी खंभे से पौधों की बेल नहीं हटा सके। कहा जा सकता है कि बिजली कंपनी द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ बिजली की कटौती की गई। गुमास्ता नगर झोन के अंतर्गत आने वाला यह बिजली का पोल माना जा सकता है। सिर्फ यही नहीं शहरभर में अन्य कई जगह भी ऐसी है जहां बिजली की लाइनों पर पौधों की लताओं ने डेरा जमा रखा हैं। इस प्रकार बिजली के पोल पर पौधों की लताओं से बड़ा हादसा भी हो सकता है। साथ ही करंट फैलने का भय भी बना रहता है।

जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गुमास्ता नगर झोन द्वारा बारिश के मौसम से पूर्व और बारिश के मौसम में भी लगातार मेंटेनेंस के नाम पर कटौती की गई। बिजली कंपनी अधिकारियों द्वारा मेंटेनेंस और पेड़ों की छंटनी के नाम पर बार-बार कटौती का मैसेज भी जारी किया गया। कई बार कटौती में पेड़ों की छंटनी के फोटो भी मीडिया में जारी किए गए। हालांकि वास्तविकता शायद यह बिजली का पोल बता रहा है जिस पर वर्तमान में भी पौधों की लताओं ने डेरा डाला हुआ है। इसे देखकर ही समझा जा सकता है कि बिजली कंपनी के कर्मचारियों द्वारा किस प्रकार का मेंटेनेंस

किया गया। शायद यही कारण रहा है कि लोकधन से करोड़ों रुपए का मेंटेनेंस किए जाने के बाद भी बार-बार बिजली बारिश के दौरान गुल होती रही। जिस जगह यह बिजली का खंभा स्थित है ठीक उसके पास ही 12 महीने बहने वाला नाला स्थित है। हालांकि यह नाला अंडरग्राउंड है फिर भी बारिश के मौसम में यहां कई बार पानी जमा हो जाता है। इस प्रकार बिजली की लाइन पर लताओं के डेरा जमाने से जमीन में करंट उतरने तक का खतरा बना रहता है।

अपराध रोकने के लिए पुलिस की ड्रोन पेट्रोलिंग से संदिग्धों पर नजर

पुलिस को रियल-टाइम जानकारी मिल रही, कार्रवाई संभव

इंदौर। शहर की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस ने एक नई पहल की। पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक के निर्देशन में जोन 2 क्षेत्र के सभी थाना क्षेत्रों में ड्रोन पेट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के जरिए संदिग्धों और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरों से लैस इन ड्रोन की मदद से पुलिस को रियल-टाइम जानकारी मिल रही है, जिससे अपराधों पर नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है। पुलिस आयुक्त संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को नियमित ड्रोन पेट्रोलिंग के निर्देश दिए हैं। ड्रोन

कैमरे से थाना लसूडिया क्षेत्र में स्कीम नंबर 78, बावड़ी हनुमान मंदिर, द हब एरिया और आसपास के हॉटस्पॉट इलाकों, थाना खजराना क्षेत्र में टास्कस चौराहा, स्कीम 94, रोबोट चौराहा और धीरज नगर क्षेत्र, थाना विजय नगर क्षेत्र में स्कीम नंबर 54, अपोलो अस्पताल से भंडारी अस्पताल, सत्य साई चौराहा और शराब दुकानों के आसपास, थाना एमआईजी क्षेत्र में नादिया नगर, संजय गांधी नगर और स्वर्णबाग कॉलोनी, थाना परदेशीपुरा क्षेत्र में टापू नगर, कुलकर्णी का भट्टा और आसपास के सुनसान इलाके में निगरानी की गई, जहां कई संदिग्धों से पूछताछ की और नशा करने वाले लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, इस अभियान से अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी।

सिंहासा में चार फैक्ट्रियों में आग से बड़ा नुकसान, मुश्किल से नियंत्रण

पेंट फैक्ट्रियों में आग, यहां 50 से अधिक कर्मचारी कार्यरत

इंदौर। धार रोड के सिंहासा गांव में बुधवार को आइल पेंट की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। घटना के समय फैक्ट्री में 50 से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे, जो आग लगते ही बाहर निकल गए। इस फैक्ट्री की आग ने पास में संचालित तीन अन्य फैक्ट्रियों को चपेट में ले लिया। आग बुझाने में डेढ़ लाख लीटर पानी लगा। फायर ब्रिगेड के एसआई सुशील दुबे ने बताया कि आग लगने की सूचना शाम 4 बजे लगी थी। यहां गौरव पेंट्स के नाम से फैक्ट्री संचालित होती है। यहां कलर पेंट बनाए जाते हैं। फैक्ट्री के समीप बुरादा की दो तथा पुष्ठे की फैक्ट्री भी आग की चपेट में आ गई। जेसीबी की मदद से बुरादा और पुष्ठा फैक्ट्री की बाउंड्रीवाल तोड़कर अंदर से सामग्री निकाली गई, जिससे आग ज्यादा विकराल रुप नहीं ले सकी। राऊ इलाके में स्थित प्रगति उर्फ स्वास्तिक इंटरप्राइजेस केमिकल फैक्ट्री में बुधवार सुबह फिर से आग भड़क उठी। यह वही फैक्ट्री है जहां चार दिन पहले भीषण आग में दो महिला कर्मचारियों ज्योति और रामकली की दर्दनाक मौत हो गई थी। उस हादसे के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया था। बुधवार तड़के 6 बजे फैक्ट्री से धुआं उठता देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और 5000 लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया। फैक्ट्री के मलबे और मशीनों में फंसे प्लास्टिक के टुकड़ों में दबी चिंगारी के कारण आग दोबारा भड़क गई थी। टीम ने मलबा हटाकर आग को पूरी तरह बुझा दिया।

दुर्घटना के बाद राऊ पुलिस ने फैक्ट्री संचालक कमल गिदवानी और सूरज भागवानी पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। मामले में कमल फिलहाल फरार है, जबकि सूरज भागवानी, जो आग बुझाने के दौरान झुलस गया था, अस्पताल में भर्ती है।

बदमाश ने मोबाइल हैक कर बैंक के करंट क्रेडिट खाते से 9 लाख निकाले

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी ऑनलाइन ठगी की वारदातों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। लोग लालच में आकर पैसे गंवा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला एचडीएफसी बैंक के करंट क्रेडिट खाते से 9 लाख रुपए निकाले जाने का सामने आया। इसमें बदमाश ने फरियादी का मोबाइल हैक कर लिया था। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया के अनुसार, फरियादी सूरज (परिवर्तित नाम) ने बताया कि उसके दो करंट क्रेडिट अकाउंट में कुल 9 लाख रुपए की लिमिट थी। किसी अज्ञात व्यक्ति ने नेट बैंकिंग के जरिए बिना अनुमति के चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन करते हुए रकम निकाल ली। मामले की शिकायत पर अपराध शाखा ने धारा 318(4) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच टीम ने संबंधित फ्रॉड बैंक खातों को फ्रीज करने की कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। क्राइम ब्रांच के अनुसार, लगातार जारी साइबर फ्रॉड और सोशल मीडिया ब्लैकमेलिंग की शिकायतों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

ज्यादा अजीनोमोटो मिलाने पर मोमोज की फैक्ट्री सील की गई

इंदौर। मिलावटखोरी के खिलाफ चल रहे प्रशासनिक अभियान के तहत मंगलवार को शहर में मोमो बनाने वाले एक अवैध संयंत्र को बंद करा दिया गया। यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में पता चला कि संयंत्र में तैयार किए जा रहे मोमोज में तय स्वीकृत सीमा से अधिक मात्रा में अजीनोमोटो (मोनोसोडियम ग्लूटामेट) मिलाया जा रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, खातीपुरा क्षेत्र में स्थित इस यूनिट में बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार के मोमोज बनाए जा रहे थे, जिन्हें शहर के कई फास्ट फूड प्रतिष्ठानों को आपूर्ति की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान परिसर में अजीनोमोटो का बड़ा भंडार मिला, जिसका प्रयोग अनुचित मात्रा में किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तय सीमा से अधिक मात्रा में अजीनोमोटो का

सेवन गर्भवती महिलाओं और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हो सकता है निरीक्षण के दौरान संयंत्र परिसर में भारी गंदगी पाई गई और कच्चे माल का उचित भंडारण भी नहीं था। साथ ही, जांच में यह भी सामने आया कि इकाई के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर कार्रवाई करते हुए संयंत्र को अगले आदेश तक बंद करा दिया और नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। प्रशासन ने शहर में फास्ट फूड बनाने और बेचने वाले अन्य प्रतिष्ठानों की भी सघन जांच करने की चेतावनी दी है।

पुलिस सख्ती से मचा हड़कंप, चेकिंग में कई बदमाशों को पकड़ा

संवेदनशील स्थानों पर पुलिस ने निगरानी को मजबूत किया

इंदौर। असामाजिक तत्वों और संदिग्धों पर नकेल कसने के लिए जोन-2 क्षेत्र में लगातार विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले इलाकों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस ने अपनी मौजूदगी और निगरानी को और मजबूत किया है। अभियान के तहत 48 गुंडों 26 चाकूबाज, 22 निगरानी बदमाश, 51 संदिग्धों को चेक किया गया। धारा 170 में 11, चिन्हित गुंडा-बदमाश 3, 4 चाकूबाजों पर कार्रवाई की गई। जबकि, 48 हॉटस्पॉट क्षेत्रों की चेकिंग, 35 शेडो एरिया, 17 बिल्डिंग/मल्टी की चेकिंग कर 5 बदमाशों के स्थायी और 16 बदमाशों के गिरफ्तारी वारंट जारी किए। शराब पीकर वाहन चलाने पर 29 वाहन जब्त किए। वहीं बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी और अन्य उल्लंघन के मामलों में 39 वाहनों पर कार्रवाई हुई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के मामलों में 5 लोगों को पकड़ा गया जबकि 1 व्यक्ति नशा करते हुए गिरफ्तार किया गया।

चाकूबाज, अड़ीबाजों को चिन्हित करें

शहर में बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं को रोकने पुलिस अब सख्त कदम उठाने जा रही है। इसके लिए सभी चारों जोनों में बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर चाकूबाज और अड़ीबाजी करने वालों को चिन्हित कर उनकी धरपकड़ की जा रही है। इस क्रम में बुधवार को जोन तीन के पुलिस उपायुक्त राजेश व्यास और सहायक पुलिस आयुक्त रूबीना मिजवानी ने बाणगंगा थाने का औचक निरीक्षण किया। जोन के इस थाने में अन्य थानों की अपेक्षा सर्वाधिक अपराध पंजीबद्ध होते हैं। पुलिस उपायुक्त ने सबसे पहले थानों का निरीक्षण किया। अपराध रजिस्टर को बारीकी से देखा। इसके बाद थाने की छह बीटों के प्रभारी और कर्मचारियों को हड़काते हुए कहा कि सात दिन में थाना क्षेत्र के चाकूबाज, अड़ीबाज और अन्य अपराधियों को चिन्हित कर उनके बांड ओवर किए जाएं, ताकि वे दोबारा अपराध नहीं कर सके। इसके साथ ही डॉट स्पाट पर भी नजर रखी जाए। उन्होंने जवानों को कहा कि अपने क्षेत्र पर पैनी नजर रखें। कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें, इस थाने में लंबे समय से गंभीर अपराध पंजीबद्ध नहीं हुआ है।

जनता-पुलिस में रिश्ता

अभियान के साथ-साथ जोन-2 के सभी थानों में मोहल्ला मीटिंग और जनसंवाद कार्यक्रम भी निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी सीधे नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। जनसंवाद के दौरान नशे के दुष्परिणामों और अपराध पर उसके प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक किया गया।

संपादकीय

'वंदे मातरम्' की सार्द्ध शती!

देश 7 नवंबर को अपने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की डेढ़ सौं वीं जयंती मना रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसको लेकर पूरे देश में जश्न मनाने का ऐलान किया है। इसके तहत समूचे देश में सामूहिक वंदे मातरम् का गायन किया जाएगा। इस अवसर पर 150 विभिन्न स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पार्टी इसे स्वदेशी अभियान से जोड़ रही है। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। यह वंदे मातरम् की ही ताकत है कि बावजूद तमाम राजनीतिक और धार्मिक विरोधों के इस गीत की राष्ट्रभावना और संजीवनी शक्ति रत्ती भर भी कम नहीं हुई है। केन्द्र और देश के कई राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा के दिल्ली स्थित मुख्यालय मीडिया से चर्चा में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पार्टी इस उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने की योजना बना रही है। इसके तहत सात नवंबर से 26 नवंबर (संविधान दिवस) तक देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सात नवंबर को 150 महत्वपूर्ण स्थानों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा, जिसके बाद स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की शपथ ली जाएगी।

जिन स्थानों पर वंदे मातरम् का गायन होगा, उनमें कारगिल युद्ध स्मारक, अंडमान और निकोबार सेलुलर जेल, ओडिशा का स्वराज आश्रम, आगरा में शहीद स्मारक पार्क और वाराणसी में नमो घाट शामिल हैं। इस दौरान कविता लेखन, पाठन और चित्रकला जैसे कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सभी राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस अवसर पर अपने प्रदेश की राजधानियों में इसी प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। हालांकि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इसमें भाग लेते हैं या नहीं, देखने की बात है। राष्ट्रगीत स्वतंत्रता संग्राम स्थलों पर भी गाया जाएगा, जिसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल और झांसी की रानी का शहादत स्थल भी शामिल है। गौरतलब है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् गीत की बहुत महत्वपूर्ण और प्रेरक भूमिका रही है। यह गीत अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिए एक प्रमुख मंत्र के रूप में उभरा था। इस गीत की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में की थी। यह गौरव गीत उनकी अमर कृति 'आनंदमठ' का हिस्सा था। इस उपन्यास में संन्यासी इसे गाते हैं। लेकिन जल्द ही यह आजादी के दीवानों का थीम सांग बन गया और वही तासीर इसकी आज भी है। इस गीत का महत्व इसी से समझा जा सकता है कि गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में इसका लोकप्रिय गायन किया था। आजादी के संघर्ष में यह गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' जितना ही लोकप्रिय था। इस दृष्टि से इसे ही राष्ट्र गान होना चाहिए था। क्योंकि इसमें मातृभूमि की वंदना है। यही कारण था कि जब इस कांग्रेस अधिवेशन में गाने की बात आई तो कट्टर मुसलमानों ने इसका यह कहकर विरोध किया कि इस गीत में मातृभूमि की आराधना मां की प्रतिमा के रूप में की गई है। इसलिए यह परोक्ष रूप से मूर्तिपूजा है, जो कि इस्लाम में हराम है। मुसलमान अल्लाह के अलावा किसी के आगे सिर नहीं झुकाते। वंदे मातरम् एक लंबा गीत है, जो आधा संस्कृत और आधा बंगला में है। यह शक्ति की आराधना है, जो दुष्टों का दलन करती है और देवी के रूप में स्वयं भारत माता है। हालांकि काफी वाद-विवाद के बाद इस गीत की आरंभ के दो अंतरे 1950 में राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किए गए और राष्ट्रगान 'जन मन गण' को बनाया गया। कट्टर मुसलमान अभी भी इस गीत को गाने का विरोध करते हैं। लेकिन उसका कोई अर्थ नहीं है। मातृभूमि मां है और वह सबके लिए वंदनीय है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और अहिंसक सभ्यता के पैरोकार हैं।

जेपी के वैचारिक क्रांति के पक्षधर सीपी राधाकृष्णन

भारत के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उसी लोकनायक पर बहुत गहरे विचार सिताबदियारा में प्रकट किया। वह जयप्रकाश नारायण को वैचारिक क्रांति का अग्रदूत मानते हैं और आज के समय में भी उनकी वैचारिक उपस्थिति को महसूस करने को कहते हैं। भारत की जनशक्ति है यहाँ की डेढ़ अरब की आबादी। भारत की जशक्ति है डेढ़ अरब आबादी की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नति। भारत की इसी जनशक्ति से विकासित राष्ट्र बनाना है। ऐसे समय में जो उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति की याद दिला रहे हैं और जो उनके आत्मोत्सर्ग की कहानियां सुना रहे हैं, उसके पीछे देश का हित जुड़ा हुआ है। उनका साफ मानना है कि लोकनायक जयप्रकाश जी को पूरा राष्ट्र उन्हें प्रेम से जेपी कह कर पुकारा लेकिन वह स्वतंत्रता सेनानी थे। वे हमारे लोकतंत्र के अंतरात्मा की आवाज़ थे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अपने समय को नए तरह से परिभाषित करते रहे हैं। भारत के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिताबदियारा, सारण में बहुत अमूल्य बात लोकनायक के बारे में कही कि उन मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएँ जिनके लिए जेपी जीवनभर खड़े रहे और वह है सत्य, न्याय, अहिंसा और जनशक्ति। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक ऐसे समय में यह बात कही है जब देश में सत्य, न्याय, अहिंसा और जनशक्ति को संयोजित करके आज़ भारत विकसित राष्ट्र बनने का यत्न कर रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खुद लोकनायक को स्मरण करते हुए अभिलेखागार के दुर्लभ झलक जो कि आपातकाल के दौरान लिखी गई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुस्तक प्रिज़न डायरी थी, उसे साझा किया और कहा कि यह पुस्तक जयप्रकाश नारायण की पीड़ा और एकांत कारावास के दौरान लोकतंत्र में उनकी अटूट आस्था को दर्शाती है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण को उद्धृत करते हुए, प्रधानमंत्री ने उनके मार्मिक शब्दों को कुछ इस प्रकार अभिव्यक्त किया कि भारतीय लोकतंत्र के ताबूत में ठोकी गई हर कील मेरे दिल में ठोकी गई कील के समान है। प्रधानमंत्री के इस उद्धरण को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में यदि मूल्यांकन किया जाए तो यह पता चलता है कि वह अपने भारत भाग्य के बारे में सही और गलत का आंकलन ठीक-ठीक करते हैं।

भारत के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उसी लोकनायक पर बहुत गहरे विचार सिताबदियारा में प्रकट किया। वह जयप्रकाश नारायण को वैचारिक क्रांति का अग्रदूत मानते हैं और आज के समय में भी उनकी वैचारिक उपस्थिति को महसूस करने को कहते हैं। भारत की जनशक्ति है यहाँ की डेढ़ अरब की आबादी। भारत की जशक्ति है डेढ़ अरब आबादी की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नति। भारत की इसी जनशक्ति से विकासित राष्ट बनाना है। ऐसे समय में जो उप राष्टपति सीपी राधाकृष्णन जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति का याद दिला रहे हैं और जो उनके आत्मोत्सर्ग की कहानियां सुना रहे हैं, उसके पीछे देश का हित जुड़ा हुआ है। उनका साफ मानना है कि लोकनायक जयप्रकाश जी को पूरा राष्ट्र उन्हें प्रेम से जेपी कह कर पुकारा लेकिन वह स्वतंत्रता सेनानी थे। वे हमारे लोकतंत्र के अंतरात्मा की आवाज़ थे। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1970 के दशक में उनके संपूर्ण क्रांति के आह्वान तक, उनका जीवन नैतिक साहस, सादगी और बलिदान का प्रतीक रहा। उनकी इस अभिव्यक्ति के पीछे जो उद्देश्य है उसे अगर भारतीय समाज समझ सके तो बेहतर भविष्य की ओर उन्मुख हो सकता है।

स्मरण आती है लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुस्तक सर्वोदय से समाजवाद उसमें उन्होंने कहा था कि मनुष्य, उसकी चेतन-शक्ति, समाज और संस्कृति जिसका उसने निर्माण किया है, यदि ये सब भूत-द्रव्य की, फिर यह द्वन्द्वात्मक दृष्टि से चाहे कितना ही सक्रिय क्यों न हो, अभिव्यक्ति मात्र है, तो मैं नहीं समझता कि क्यों किसी व्यक्ति को अच्छा बनने अर्थात् उदार, दयावान् और निःस्वर्थी बनने की कोशिश करनी चाहिए? जेपी दूसरा सवाल करते हैं कि तब किसी दुर्बल, दीन और दुखी के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों होनी चाहिए? उनका एक और सवाल है कि मृत्यु के उपरान्त जो भूत-द्रव्य है, यह भूत-द्रव्य में विलीन हो जायगा। अतएव नैतिक व्यवहार के लिए उससे क्या प्रेरणा मिल सकती है? ये सवाल बहुत मामूली सवाल नहीं हैं। दरअसल, यह उस चेतना से सवाल है जो अपने आपको सबसे उन्नत बुद्धि वाला समझता है। जो अपने आपको सर्वदा दिग्विजयी मानता है। जेपी इस पर कहते हैं कि सत्ता या सम्पति की भोग-वासना या जनता से जयजयकार कराने अथवा अपने समकक्षियों से आदर पाने की आकांक्षा- उसके सामने काम करने के लिए ये ही प्रलोभन हो सकते हैं। किन्तु ऐसे प्रलोभनों का सही या गलत मूल्यांकन से कोई सम्बन्थ नहीं रह सकता। नैतिक आदर्शों का निःसंदेह एक इतिहास है, उनका एक सामाजिक हेतु है। किन्तु जब मनुष्य अपने परम्परागत आचार-व्यवहार के सिद्धातों में ही शंका करने लगता है और अपने से पूछता है कि मैं नैतिक नियमों के अनुसार आचरण क्यों करूँ, तो भौतिकवाद के पास उसके लिए कोई जवाब नहीं मिलता। समाज-सेवा, त्याग, स्वतंत्रता, समानता और अन्य सब आदर्शों को लेकर किसीने बहुत समय बिताया हो, किन्तु बाद में यदि वह अपने से पूछने लगे कि मैं इन आदर्शों को बिल्कुल ही स्वीकार क्यों करूँ और इनकी वजह से नाहक परेशानी और घाटा क्यों सहूँ तो भौतिकवादी तत्वज्ञान, द्वन्द्वात्मक या अन्यथा उसे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकता। वह कहते हैं कि मैं यह नहीं कहता कि त्तात्विक भौतिकवादियों में ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण नहीं है, जिन्होंने उच्च आदर्शों के लिए महान् त्याग किए हैं। मैं इतना ही कहना चाहता हूँ कि उनका वह कार्य उनके तत्वज्ञान से मेल नहीं खाता।

आज तात्विक विषय वस्तु से दूर होता आदमी किस दुनिया में खोता जा रहा है, समझ में नहीं आता। देश में दूरदर्शी समाज की एक बार पुनः उत्थान कैसे होगा, सवाल यह है। निःसंदेह उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने जो जेपी पर, उनके संपूर्ण क्रांति पर, उनके समर्पण व दर्शन पर जो विमर्श खड़ा किया है वह आज समय की मांग है। जेपी पुनः पढ़े जाने चाहिए। जेपी को पुनः आत्मसात किया जाना चाहिए। जेपी को अपने सामने हर अच्छे कार्य करने से पहले रखना चाहिए नहीं तो समाज का जो तबका भौतिकता व द्वंद्वात्मक स्थितियों में फंसता जा रहा है और हिंसा की राजनीति जिसे ख़त्म कर देना चाहती है, वह हावी हो जाएगी।

सीपी राधाकृष्णन स्वयं लोकनायक के प्रशंसकों में सम्मिलित हैं। उन्होंने उन्हें जिया है। उन्हें आत्मसात किया है। उनकी अंतर्मन से नहीं अंतरआत्मा से इसीलिए जेपी के प्रति अनुराग है। उन्होंने सारण में कहा भी कि मेरे लिए यह व्यक्तिगत सम्मान की बात है कि मुझे संपूर्ण क्रांति आंदोलन से घनिष्ठ रूप से जुड़ने का अवसर मिला। उन्नीस वर्ष की आयु में, लोकनायक जी के आह्वान पर मैंने इस आंदोलन में कूदकर भाग लिया और कोयंबटूर में संपूर्ण क्रांति आंदोलन का जिला महासचिव बना। वे सदा जनशक्ति को राज्यशक्ति से ऊपर मानने वाले जननायक थे। आज भी हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों की मज़बूती उन्हीं मूल्यों पर टिकी है, जिनका लोकनायक ने जीवनभर पालन किया जिसके भीतर ऐसे मूल्य थे जिससे समाज अपने भविष्य के लिए आशा पाल सकता है और अपने वर्तमान को संवार सकता है। और वे मूल्य थे-पारदर्शिता, जवाबदेही, जनसेवा और सत्य के लिए खड़े होने का साहस।

देश को द्रुत गति से आज अगर विश्व प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित करके आगे ले जाना है तो ऐसे मूल्यों को प्रत्येक भारतीय नागरिकों को अपनाना होगा। बहुधा, अपने समय से आगे की सोच रखने वाले ही ऐसे विचचार प्रकट करते हैं। लोकनायक ने जो विचार प्रकट किए और जिस क्रांतिकारी कदम से भारतीय जनता को विश्वास के साथ एकजुट किया वह उन दिनों वे ही कर सकते थे। वे अपने सुख के लिए कोई समझौता नहीं किए और न ही कभी सत्य से समझौता किए। सीपी राधाकृष्णन ने यूं ही नहीं कहा कि जब हम विकसित भारत@2047 की ओर बढ़ रहे हैं, तो आइए, लोकनायक के आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करें और एक ऐसा भारत बनाएं जो जीवंत, समावेशी और सशक्त हो।

सीपी राधाकृष्णन ने जिस श्रेष्ठ भाव से लोकनायक के स्मृतियों को ताजाकर भारतीय नागरिकों को जयप्रकाश नारायण के मूल्यों को आत्मसात करने को कहा है उसका आदर तभी होगा जब हम सच में भारतीय लोकतंत्र को सर्वदा पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिरोध भी करेंगे और विकसित भारत बनाने के लिए समर्पित भी होंगे। वस्तुतः उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का भी उद्देश्य यही है कि देश विश्व में अपना लोकतांत्रिक कीर्तिमान स्थापित करे और हमारी नई पीढ़ी जेपी को आत्मसात करके देश निर्माण में आगे आएं।

सामयिक

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोकतंत्र को सशक्त बनाएंगी आदर्श युवा ग्रामसभाएं

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी होती है। यह सुखद है कि विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या भारत में है। आधे नागरिक 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसीलिए नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से वे इस युवा ऊर्जा को नवाचार से जोड़ने के प्रयास में लगे हुए हैं। इसमें सफलता भी मिली है। इसी का नतीजा है कि देश दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अब युवा जनसांख्यिकीय ताकत को पंचायतीराज में शिक्षित युवाओं के समावेशीकरण की दृष्टि से एक अनूठी नवाचारी पहल पंचायती राज मंत्रालय ने की है। इसमें जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत 'आदर्श युवा ग्रामसभा' यानी मॉडल यूथ ग्रामसभा (एमवायजीएस) एक ऐसी पहल है, जो युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रेरित करती है। ये युवा ग्रामों में जमीनी लोकतंत्र की भावना को न केवल मजबूती देंगे, अपितु त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में शामिल होकर नवीन डिजिटल माध्यमों से ग्राम पंचायत प्रशासन को पारदर्शी बनाने के साथ, उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम भी करेंगे। इस व्यवस्था को तीनों विभागों ने तालमेल बिठाकर 30 अक्टूबर 2025 को शुभारंभ भी कर दिया है।

त्रिस्तरीय पंचायती राज में सरपंच, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष से कहीं ज्यादा संवैधानिक महत्व ग्राम सभाओं का है। हालांकि कमोबेश पूरे देश में ग्राम सभाओं को नजरअंदाज किया जाता है। कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी ग्राम सभाओं के कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रस्तावों को टाल देते हैं। ग्राम सभाओं की इस कानूनी बाध्यता को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वेदांता जैसी खनिज उत्खनन की बहुराष्ट्रीय कंपनी और ओड़ीसा राज्य सरकार के मामले में 2013 में दिए गए एक फैसले से जानते हैं। शायद देश में ऐसा पहली बार हुआ था कि पंचायतराज और ग्रामसभा के अधिकारों की कितनी अहम् भूमिका ग्राम विकास में अंतर्निहित है। पंचायत और वनाधिकार कानून की यह न्यायिक व्याख्या ऐसी राज्य सरकारों के लिए एक सबक है, जो इन कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी करती हैं। इस दृष्टि से ओड़ीसा की नियमगिरी की पहाड़ियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने बॉक्साइट के उत्खनन की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। यहां गौरतलब है कि न्यायालय ने खुद व्यापार की कोई नई कानूनी संहिता नहीं रची थी, बल्कि अदालत ने पहले से ही प्रचलन में आए 'पंचायती राज अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम' (पेसा) और आदिवासी एवं अन्य वनवासी भूमि अधिकार अधिनियम ;वनाधिकार कानून में तय मानदण्डों के आधार पर ही अपना फैसला दिया था। अदालत ने केवल यह रेखांकित किया था कि इन कानूनों के तहत आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय खनिज संपदाओं के उपयोग के संबंध में ग्रामसभाएं पूरी तरह अधिकार संपन्न हैं और उनकी अनुमति के बिना कोई कंपनी या राज्य सरकार बेज़ा दखल नहीं दे सकती है। साथ ही, कार्यपालिका ग्रामसभा के निर्णय को मौके पर पालन कराने के लिए बाध्यकारी है। इस फैसले के बाद वेदांता समूह को मिले खनन के अधिकार पर ग्रहण लग गया था। इससे गांव में जमीन पर सामुदायिक हक किसका है, यह निर्धारित करने का निर्णय ग्राम सभाओं को मिल गया था। इससे पहले इसी आधार पर 2009 में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में खनन पर रोक लगा चुकी थी। ग्राम सभाओं के इसी महत्व को अंगीकार करते हुए कर्नाटक के बेल्लारी, तुमकुर और चित्रांगदा जिलों में लौह अयस्क उत्खनन के 50 पट्टे भी शीर्ष न्यायालय ने रद्द कर दिए थे। अदालत के इस लोकतांत्रिक एवं जनहितैषी कानून सम्मत फैसले से इस अवधारणा को शक्ति मिली थी कि जिन मूल निवासियों के संसाधनों पर परियोजनाएं स्थापित होनी हैं, उन्हें लगाने या न लगाने का अधिकार पंचायत अधिनियम में दर्ज ग्राम सभाओं को है। ग्राम सभाएं निर्णय लेने को पूरी तरह स्वतंत्र हैं। चूंकि आदर्श युवा ग्राम सभाओं में ऐसे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत गतिविधि आधारित और अनुभवजन्य शिक्षा पर बल देती है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, दायित्वों के प्रति सम्मान के साथ देश के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना है। इसीलिए इन आदर्श युवा ग्राम सभाओं में जवाहर नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और अन्य सरकारी विद्यालयों के नवीं एवं दसवीं के छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। क्योंकि यही संस्थान समाज के विविध वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अतएव इस पहल का दायरा सभी ग्रामीणों से लेकर जनजातीय समुदाओं तक फैला हुआ है। चूंकि संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ इन समुदायों की महिलाओं को भी आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। इसीलिए ग्राम पंचायतों को भारत की विविधता का वास्तविक प्रतिबिंब माना जाता है।

निश्चित ही यह लोक-कल्याणकारी निर्णय ग्रामीण जनसमूहों में चेतना का आधार बनेगा और ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका मजबूत होगी। साथ ही इस ऐतिहासिक फैसले के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकारों और उद्योगपतियों को यह संदेश लेने की जरूरत है कि वे अब अपेक्षाकृत ज्यादा मानवीय और समावेशी विकास की पक्षधर दिखें? तभी विकेंद्रीकृत पंचायती राज प्रणाली में कानून की सार्थकता सिद्ध होगी।

युवाओं द्वारा स्वप्न देखना स्वाभाविक लक्षण है। लेकिन प्रचार के जरिए देश में माहौल कुछ ऐसा बना दिया गया है कि सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नौकरी करना ही जीवन की सफलता है। परंतु यह प्रयोग प्रशिक्षित युवा वर्ग में निर्वाचन के जरिए पंचायती राज व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकार प्राप्त कर लेने की उम्मीद जगाता है। यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे। चूंकि ये शिक्षित होंगे, इसलिए समकालीन मुद्दों पर नई दृष्टि से विचार करेंगे और समाज को संवाद से प्रेरित करेंगे। अतएव कह सकते हैं कि युवा सरकारी नौकरी पाने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार एवं स्वालंबन का बड़ा आधार बनेंगे। पंचायती राज में इन युवाओं की भूमिका इसलिए भी अहम् रूप में रेखांकित होगी, क्योंकि अब वर्तमान नीतिगत तकनीकी उपायों और कृत्रिम बुद्धि कंप्यूटर से चलने वाले प्रशासन के जरूरी हिस्सा हो गए हैं। इनका सही इस्तेमाल निरीक्षण और अशिक्षित पंचायत प्रतिनिधि की बजाय सुशिक्षित एवं तकनीक का जानकार निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि कहीं ज्यादा कारगर एवं परिणाम मूलक उपयोग कर पाएंगे। अतएव आदर्श युवा ग्राम सभा एक रूपांतरणकारी दौर से गुजरेगी और इस स्थानीय शासन-प्रशासन व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे। भारत जब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में चल पड़ा है, तब पंचायती राज की लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करना जरूरी हो जाता है।

वैज्ञानिक धोखाधड़ी और कॉर्पोरेट शिकंजे का खतरा

भारत की कृषि

निलेश देसाई
लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

भारत की कृषि आज अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है। एक ओर, वैज्ञानिक संस्थानों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, तो वहीं, कॉर्पोरेट नियंत्रण की परतें किसान की जमीन और बीज तक फैल चुकी हैं। हाल ही में 'कोएलिशन फॉर ए जीएम-फ्री इंडिया' द्वारा उजागर की गई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की जीनोम-संपादित धान परीक्षणों में हुई अनियमितताओं ने इस संकट की जड़ को सामने रख दिया है–जहाँ मुनाफा विज्ञान और जनहित दोनों पर भारी पड़ने लगा है।

आईसीएआर, जो देश के कृषि अनुसंधान की रीढ़ मानी जाती है, अब अपने ही डाटा और निष्कर्षों में हेरफेर के आरोपों में घिर गई है। दो चर्चित जीनोम-संपादित किस्मों–पुसा डीएसटी-1 और डीआरआर धन 100 'कमला'–के उत्पादन संबंधी दावे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खाते। रिपोर्टों में स्वीकार किया गया कि 'उत्पादकता में कोई बढ़त नही' थी, बल्कि एक किस्म का औसत उत्पादन तो घटा हुआ पाया गया।

इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि अधूरे परीक्षणों और सीमित डाटा के बावजूद इन किस्मों को 'सफल' बताया गया। इस प्रकार की वैज्ञानिक अपरिपक्वता न केवल नीति-निर्माण को गुमराह करती है, बल्कि कृषि अनुसंधान संस्थानों की साख को भी कमजोर करती है, जिन पर देश की खाद्य सुरक्षा टिकी है।

यह वैज्ञानिक असावधानी कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें किसान की भूमिका 'उत्पादक' से 'ग्राहक' में बदल दी जा रही है। बड़ी कंपनियाँ, जैसे बायर, बीज और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों पर नियंत्रण बढ़ा रही हैं। हर सीजन में नया बीज खरीदने की मजबूरी ने किसान की बीज संप्रभुता को छीन लिया है। डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म अब किसानों के डेटा तक पहुँच रखकर उनके निर्णयों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण कर रहे हैं।

इसे 'आधुनिकता' के नाम पर जायज़ ठहराया जा रहा है, जबकि यह वास्तव में पौष्टिक भूमि, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक स्वावलंबन पर हमला है। नतीजा- जैवविविधता में कमी, भूमि की थकान, और किसान की आर्थिक गुलामी का गहराता दायरा।

सरकारी प्राथमिकताएँ किसानों की आय और स्थायित्व के बजाय तकनीकी प्रयोगवाद की ओर झुकी दिखती हैं। कृषि विशेषज्ञ देवेंद्र शर्मा के अनुसार, असली संकट किसान की आय असमानता है–न कि बीज के प्रकार या प्रयोगों की संख्या। एमएसपी की कानूनी गारंटी के अभाव में किसान बाजार की कृपा पर निर्भर है, जबकि नीति मशीनरी उसका भरोसा कॉर्पोरेट 'इनोवेशन' पर टिका रही है। कृषक जीवन और भूमि के प्रति जो नैतिक रिश्ता सदियों से रहा है, वह टूटता जा रहा है–जहाँ खेती अब समाज सेवा या आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि महज उत्पादन की मशीन बनती जा रही है।

देश को अब यह तय करना होगा कि उसकी कृषि का भविष्य किसके हाथ में रहेगा–किसान के या कॉर्पोरेट मुनाफाखोरों के। खाद्य संप्रभुता का अर्थ है कि किसानों को बीज और भूमि पर निर्णय का अधिकार वापस मिले; स्थानीय बाजारों को प्राथमिकता दी जाए; और ऐसी कृषि नीति बने जो पुनर्योजी खेती, जैविक विविधता और संसाधन संरक्षण को केंद्र में रखे। इसके साथ ही, वैज्ञानिक संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता की संस्कृति विकसित करनी होगी। जीनोम संपादन या जैव प्रौद्योगिकी पर सभी प्रयोग सार्वजनिक समीक्षा और सख्त नियंत्रण के अधीन हों।

अंततः भारत की कृषि इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। एक रास्ता हमें कॉर्पोरेट नियंत्रण, वैज्ञानिक धोखाधड़ी और किसानों की पराधीनता की ओर ले जाता है; दूसरा खाद्य स्वराज्य, किसान स्वाभिमान और टिकाऊ पारिस्थितिकी की ओर। बीज की यह लड़ाई केवल खेत की नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान की लड़ाई भी है–यह तय करेगी कि हम मुनाफे के युग में खोएंगे या भूमि से जुड़े समाज का भविष्य बचाएंगे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

दस हजार की कीमत तुम क्या जानो बाबू!

चुनाव होता है तो लोक लुभावन घोषणाओं की बाढ़ सी आ जाती है।सभी वर्गों के प्रति राजनेताओं की आत्मीयता उमड़ने लगती है।भूले बिसरे गानों की तरह पुराने मिलने वाले भी याद आने लगते हैं। चुनाव लोकतंत्र का पर्व है सो जो न करा दे वो कम है।आजकल चुनावों में मां-बहिनों का विशेष रूप से ध्यान रखने का रिवाज चल निकला है। राजनीतिज्ञों ने सोचा कि उनकी मुंह बोली मां बहिनें हाथ खर्च के लिए परेशान रहती हैं, इसलिए इन्हें नगद रुपये मिलने ही चाहिये। सो सबके बड़े भाई समान मामा ने हजार रुपये महीना देना तय कर दिया।बाद में तय हुआ कि यही विजयश्री का सर्वोत्तम मार्ग है। राजनीति में भी भेड़चाल है। शुरू हुआ तो सिलसिला चल निकला। डेढ़ दो ढाई तीन हजार की बातें पीछे छूट गईं ,बात दस हजार तक आ गई। ठीक है कोई विरोध नहीं पर दिलजले पूछते हैं कि पुरुषों ने क्या बिगाड़ा है ? क्या इस नाते हम तुम्हारे भाई-बहनेऊ नहीं हैं? हमें क्यों दुश्मन समझते हो?

कुछ विरोधियों ने हल्ला भी मचाया तो बताया गया- दस हजार की क़ीमत तुम क्या जानो बाबू! रिजल्ट निकलेगा तो हलक में जान आ जायेगी। ये दस हजार नहीं किसी की खुशियां हैं, किसी की उम्मीदें हैं, किसी के सपने हैं, किसी की मुरझाई ज़िन्दगी की बहार है।दस हजार में महिला की दस बेहतरीन साड़ियां आ सकती हैं जिन्हें बदल बदलकर पहिनते हुए वह कई शादी समारोह में शान से आ जा सकती है। गली मुहल्ले में आकर्षण का केन्द्र बन सकती है। गरीब के लिए हजार की साड़ी कीमती होती है। वो कोई सम्पन्न वर्ग की तो है नहीं जो लाख पचास हजार की साड़ी पहने? दस हजार में किसी कस्बे के कान्वेंट स्कूल में बच्चे का एडमीशन कराकर साल भर की फीस चुकता कर सकती है। मतलब साल भर निश्चिन्त होकर बच्चे के अंग्रेजी बाबू बनने का सपना देख सकती है।

दस हजार में पास पड़ोस की झोपड़ी का पट्टा लेकर बिना तारे देखे चैन की नींद ली जा सकती है। कर्ज चुकाकर अपने खेत में अपनी फसल खड़ी की जा सकती है।दस हजार में बेटी का गौना कराकर सिर हलका हो सकता है। यहां तक कि साहूकार से घर के काम को गिरवी रखी बैयर छुड़ाई जा सकती है।दस हजार में चांदी की चार चम्मच आ जाती हैं जो चार बार पटवारी के मुंह में डाली जा सकती हैं।

दस हजार की कीमत तुम क्या जानो! तुम तो अमीरी में पले बढ़े हो। दस हजार तुम्हारे लिए कोई मायने नहीं रखते लेकिन जिन गरीब गुरबों की बात करते हो कभी उनसे पूछो कि दस हजार की कीमत क्या है? तुम्हें तो बस चुनाव के लिए फार्म भरते समय इतनी ही जमानत राशि लगती है जो तुम्हें आटे की बोरी में एक कटोरी जितनी है। जो टिकिट लेने के लिए करोड़ो भेंट कर देता हो उसे दस हजार से क्या बनना बिगड़ना है?

और जो बार बार कह रहे हो कि ये कर्ज है बाद में चुकाना पड़ेगा तो हमें कौन सा चुकाना है जो कोई फर्क पड़े। न जीते जी न मरने के बाद। जिस पर कुछ होगा ही नहीं वो कहां से देगा और लेने वाला भी कहां से वसूलेगा। उसे भी पता है कि जिस काम के लिए दिया था वो हो गया अब क्या मतलब। काम वाले ने काम कर दिया फिर काहे के मांग रहे? दूसरे इलाकों में भी रोजगार, हाथ ठेले खरीदने या मनिहारी की दुकान चलाने दस दस हजार रुपये दिये थे। उससे गरीब गुरबा ने वो मोबाइल खरीदे जो उस समय खाते पीते लोगों पर भी नहीं थे। रिकवरी का तो नहीं पता पर मोबाइल आज भी उनके हाथ में सजे हुए सबको चिढ़ा रहे हैं। अब तो वो उनसे शेयर खरीदना भी सीख गये हैं, समझे ललुआ!

अखिल भारतीय कालिदास समारोह

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली के जनक हैं कालिदास

कालिदास 'श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्' कहकर कोई नई बात तो नहीं कहते, लेकिन इस विचार की पुष्टि करते हैं कि स्मृति वेदों का ही अनुसरण करती है। श्रुति और स्मृति दोनों ही समृद्ध ज्ञान प्रणालियाँ है, और दोनों में एक्य है। इसके बावजूद कालिदास यह जरूर मानते हैं कि प्राचीन प्रणाली में से सब कुछ ग्रहण करने योग्य नहीं है, और नई प्रणाली भी पूरी तरह खारिज करने योग्य नहीं है। दोनों प्रणालियों में जो-जो श्रेष्ठ है, उसके साथ चलने पर जोर देते हुए कालिदास कहते हैं- 'पुराणमित्येव न साधु सर्वं न चाहिए काव्यं नवमित्यवद्यम्। सन्तः परीक्ष्यान्यतरत्भजन्ते मूढः परप्रत्ययनेय बुद्धिः।' यह कहने का साहस कालिदास ही कर सकते हैं। वे भारतीय ज्ञान की उज्ज्वलता पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अवांछनीय तत्वों को बाहर का रास्ता दिखाते हैं। इसीलिए कालिदास आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर हैं। इसीलिए वे आधुनिक ज्ञान प्रणाली के जनक कहलाने के योग्य हैं।

हमारे यहाँ दो प्रकार की प्राचीन ज्ञान प्रणालियाँ हैं- निगम और आगम। वेद और उपनिषद् की प्रणाली निगम है, तो उसके बाद भारतीय ज्ञान के अनंत विस्तार का श्रेय आगम को ही जाता है। ये दोनों ही प्रणालियाँ शुरू से साथ-साथ चलती रही हैं। इन प्रणालियों में कभी भी आपसी द्वंद्व दिखाई नहीं दिया। इन दोनों को मिलाकर कालिदास ने आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली बनाई। कालिदास के पूरे साहित्य में हमें इसी प्रणाली के दर्शन होते हैं। कालिदास कहीं भी दावा नहीं करते कि वे इस प्रणाली के जनक हैं। वे तो रमणीय कविता के जरिए अपनी बात कहते हैं। कालिदास की लोकप्रियता का कारण भी यही है कि वे किसी विवाद को हवा देने की अपेक्षा बहुत सकारात्मक स्थापना के साथ भारतीय जनमानस में उतरते चले जाते हैं।

कालिदास 'श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्' कहकर कोई नई बात तो नहीं कहते, लेकिन इस विचार की पुष्टि करते हैं कि स्मृति वेदों का ही अनुसरण करती है। श्रुति और स्मृति दोनों ही समृद्ध ज्ञान प्रणालियाँ है, और दोनों में एक्य है। इसके बावजूद कालिदास यह जरूर मानते हैं कि प्राचीन प्रणाली में से सब कुछ ग्रहण करने योग्य नहीं है, और नई प्रणाली भी पूरी तरह खारिज करने योग्य नहीं है। दोनों प्रणालियों में जो-जो श्रेष्ठ है, उसके साथ चलने पर जोर देते हुए कालिदास कहते हैं- 'पुराणमित्येव न साधु सर्वं न चाहिए काव्यं नवमित्यवद्यम्। सन्तः परीक्ष्यान्यतरत्भजन्ते मूढः परप्रत्ययनेय बुद्धिः।' यह कहने का साहस कालिदास ही कर सकते हैं। वे भारतीय ज्ञान की उज्ज्वलता पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अवांछनीय तत्वों को बाहर का रास्ता दिखाते हैं। इसीलिए कालिदास आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर हैं। इसीलिए वे आधुनिक ज्ञान प्रणाली के जनक कहलाने के योग्य हैं।

कालिदास ज्ञान के व्यवसायीकरण के विरुद्ध हैं। वे ऐसी प्रणाली चाहते हैं, जो न तो ज्ञान को पूजा की वस्तु बनी रहने दे, न ही बाजार की वस्तु। वे उन शिक्षकों की खिंचाई करते हैं, जिनके लिये ज्ञान केवल जीविका चलाने का साधन है। कालिदास उन्हें स्पष्ट शब्दों में 'ज्ञान बेचने वाले बनिये' कहते हैं। 'यस्यागमः केवलजीविकायै तं ज्ञानपण्यं वणिजं वदन्ति।' कालिदास के अनुसार भारतीय ज्ञान प्रणाली आचरण की मर्यादा के लिये है। वही हमारी कर्म-प्रणाली को जन्म देती है। यदि ज्ञान प्रणाली दूषित है, तो हमारी कर्म-प्रणाली भी दूषित होगी। इसीलिए कालिदास रघुवंशी राजाओं का आदर्श हमारे सामने रखते हैं। कालिदास निगम और आगम का सार तत्व लेकर ऐसी भारतीय ज्ञान प्रणाली विकसित करते हैं, जो हमारे जीवन के करीब हो। इसीलिए वे लोकमंगलकारी साहित्य का रास्ता चुनते हैं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली इतनी समृद्ध है, कि उसके साथ चलते हुए हम अनंत और अपार सामर्थ्य के धनी हैं। ऐसा कोई क्षेत्र छूटा हुआ नहीं, जिसकी गहराई का हमें पता न हो। सैन्यविज्ञान, औषधिविज्ञान, गणनाशास्त्र, योगशास्त्र, अर्थ शास्त्र, कामशास्त्र, शिल्पविज्ञान, दर्शनशास्त्र, धर्मशास्त्र, कृषिविज्ञान सहित ज्ञान की विभिन्न परम्पराओं को विकसित करते हुए प्राचीन आचार्यों ने ग्रंथों की रचना ही नहीं की, ऐसे समाज की बुनावट भी की, जो उसे दैनन्दिन जीवन से जोड़ सके। इसीलिए कालिदास हमें आश्रमों के बीच ले चलते हैं। अभिज्ञानशाकुन्तलम् केवल नाटक नहीं, वह आश्रम की गोद में पली-बढ़ी ज्ञान प्रणाली की ओर इंगित करता है। कण्व की तपस्या, शकुंतला-अनसूया-प्रियंवदा का त्याग और समर्पण, वन्य प्राणियों और लता-पादकों की सुरक्षा, राजकीय दुराचरण के प्रभावों के ताने-बाने के साथ कालिदास ऐसी आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली बनाते हैं, जिसकी उपादेयता सार्वकालिक है।

पिछले लगभग एक हजार वर्षों में भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रस्थानत्रयी की लकीर पर काम करती रही है। इसमें संदेह नहीं कि बादरायण के ब्रह्मसूत्र, उपनिषद् और गीता के भाष्यों के जरिए शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, वल्लभाचार्य और दूसरे आचार्यों ने प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली को पोषित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन इनसे बहुत पहले कालिदास हमें ऐसी प्रणाली सुझाते हैं, जो भारतीयों के भविष्य की ओर उन्मुख हो। कालिदास संन्यास योग, भक्तियोग और कर्म योग को मिलाकर ऐसी प्रणाली का परामर्श देते हैं, जो हमें किसी तरह के साम्प्रदायिक आग्रह और वैचारिक आग्रह से मुक्त कर जीवन यापन की स्वतंत्रता देते हैं। कालिदास योग, न्याय, सांख्य, वैशेषिक, मीमांसा, और वेदान्त दर्शन की प्रणालियों का पूरा सम्मान कर इन सबका समन्वय करते हुए जीवन दर्शन की आधुनिक प्रणाली का स्पष्ट खाका हमारे सामने रखते हैं।

अब आवश्यक हो गया है कि कालिदास के साहित्य को केवल रसास्वादन के लिये न पढ़ा जाए, अपितु उसे आधुनिक भारतीय ज्ञान प्राणाली को सरलता से समझने के लिये भी पढ़ा जाए। नाटकों के मंचन का दौर तेजी से बीत रहा है, महाकाव्यों का युग तो बहुत पहले ही बीत चुका है, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के इस युग में क्लासिकल लिटरेचर पढ़ने का वक्त किसी के भी पास नहीं, संस्कृत भाषा के विशाल साहित्य की ओर रुझान भी बहुत कम है, तब हमें बहुत सावधान होकर उस प्रणाली की पड़ताल करनी चाहिए, जो भारतीय जीवन के लिये उपयोगी हो। यह काम उन विद्वानों को ही करना होगा, जो कालिदास के साहित्य में पैठ रखते हैं, और जो सब तरह की संकीर्णताओं से मुक्त हैं। जाहिर है, यह काम संस्कृत के युवा विद्वानों को ही करना होगा।

कालिदास अब किसी समारोह का विषय नहीं, वे हमारे समय का विषय हैं। उनके नाम पर जो अकादमी है, उसे आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कालिदास के समग्र चिंतन को नया और व्यवस्थित रूप देना होगा। पर्यावरण को लेकर कालिदास का दृष्टिकोण समझना होगा। राजधर्म को लेकर उनकी स्थापनाओं को रेखांकित करते हुए भी एक राजनीतिक प्रणाली बनाई जा सकती है। विक्रमोर्वशीयम् में नारी-स्वातंत्र्य के जो आयाम है, उन्हें दृष्टि में लेते हुए भारतीय नारी की अस्मिता को प्रमुखता से सामने लाया जा सकता है। मेघदूत के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक भूगोल और अंतरिक्ष विज्ञान की ओर युवाओं का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। कुमारसम्भवम् के माध्यम से पौराणिक आख्यान के आधुनिक सन्दर्भों को समझने के लिये दूरगामी तैयारी की जा सकती है। वास्तव में इन सबको मिलाकर ही आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली का वह स्वरूप बनता है, जिसकी हमें और विशेष रूप से भारतीय युवाओं को जरूरत है।

कालिदास के पास भारतीय परम्परा से अर्जित किया हुआ सब कुछ है, किन्तु जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण सर्वथा मौलिक और आधुनिक है। वे हमें पीछे की ओर नहीं ले जाते, अपितु भविष्य में छलाँग भरने का साहस देते हैं। कालिदास का पूरा साहित्य सावधानीपूर्वक पढ़ और समझ लेने के बाद हमारे मानस में जो जीवन प्रणाली जन्म लेती है, वही सच्चे अर्थों में भारतीय ज्ञान प्रणाली है। यह प्रणाली भारतीय चरित्र के अभ्युदय में आश्चर्यजनक तरीके से सहायक हो सकती है। इस दिशा में सार्थक पहल हो, तो कम से कम भारत के सांस्कृतिक भविष्य को तो सुन्दर बनाया ही जा सकता है। कालिदास आधुनिक भारतीय ज्ञान प्रणाली के जनक हैं, और उनकी छत्रछाया में ही हम सुरक्षित रह सकते हैं।

दृष्टिकोण

तनुजा चौबे

लेखक साहित्यकार हैं।

खुशियों का मौन उजास

खुशी कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो हमें बाहर से मिल जाए या कोई और हमें दे दे। यह हमारे मन में जन्म लेने वाली वह कोमल भावना है, जिसे हमें खुद अपने अंदर जगाना पड़ता है। जब मन शांत रहता है और हम ध्यानपूर्वक और संतुलित ढंग से जीवन जीते हैं, तभी हमें असली खुशी का अनुभव होता है। मन में जब बार-बार चिंताएँ, नकारात्मक बातें या अनचाहे विचार भरते रहते हैं, तब खुशी धीरे-धीरे कम होने लगती है। इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि हम अपने विचारों को संभालें, उन्हें साफ़ करें और अच्छी बातों पर ध्यान दें। इंसान जैसा सोचता है, वैसा ही महसूस करता है—अच्छी सोच जीवन में अच्छी ऊर्जा लेकर आती है और खुशी अपने आप पास आ जाती है।

जीवन में कुछ पाने के लिए अक्सर आलोचना का सामना करना पड़ता है और सराहना से भी दूर रहना सीखना चाहिए। यदि हम आलोचना को सुनकर दुखी या परेशान हो जाते हैं, तो हमारे मन की सुख-शांति और खुशी कम होने लगती है। इसके विपरीत, जब कोई हमें सलाह देता है या प्रशंसा करता है, तो हम तुरंत खुश हो जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि हम अपनी खुशी को दूसरों की आलोचना या सराहना पर आधारित कर देते हैं। पर यदि हम इन दोनों बातों को समझकर, आवश्यक हो तो सुधार करके, बाकी सबको नज़रअंदाज़ कर आगे बढ़ना सीख जाएँ, तो हमारे भीतर परिपक्वता आने लगती है। यही परिपक्वता आगे चलकर स्थाई होती है और धीरे-धीरे हमें आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है, जहाँ शांति और स्थाई खुशी की प्राप्ति होती है। इसलिए हमें हमेशा क्षणिक प्रतिक्रियाओं से ऊपर उठकर स्थाई खुशी पाने का प्रयास करना चाहिए।

इंसान की हर सोच में अपनी एक खुशबू और ऊर्जा होती है। यही ऊर्जा हमारे आसपास का माहौल बनाती है। यदि हमारे भीतर सकारात्मक विचार होंगे, तो वही लोग और परिस्थितियाँ हमारी ओर आकर्षित होंगी जो खुशमिजाज़ और सौम्य होंगी। पर यदि मन में नकारात्मकता होगी, तो जीवन में दुख देने वाले लोग और अनुभव बढ़ने लगते हैं। इसलिए खुशी का पहला कदम है—अपने विचारों में बदलाव लाना और मन में अच्छी सुगंध भरना। अच्छे विचारों की यह खुशबू हमें शांत, विनम्र और संतुलित बनाती है। हमारा व्यवहार सहज हो जाता है और लोग हमारे पास रहकर सहज महसूस करते हैं। धीरे-धीरे हमारा वातावरण भी सुखद और सुगंधित हो उठता है।

खुश रहना भी एक तरह की आदत है। जैसे कोई कला सीखने के लिए अभ्यास जरूरी होता है, वैसे ही खुश रहना भी सीखना पड़ता है। छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूँढना जीवन को सरल और सुंदर बनाता है।

किसी का मुस्कुराना, किसी की मदद करना, फूलों का खिलना या अपनी कोई छोटी-सी उपलब्धि भी दिल को प्रसन्न कर देती है-यदि हम उसे महसूस करना जानते हों। नकारात्मक लोग व परिस्थितियाँ हमारी ऊर्जा कम कर देती हैं। वे समस्याओं को बड़ा दिखाती हैं और हमें जीवन की सुंदर बातों से दूर कर देती हैं। पर जैसे ही हम नकारात्मक सोच से बाहर निकलकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं, जीवन में उजाला लौट आता है। अच्छी सोच नई ऊर्जा देती है और हमें रचनात्मक, शांत और संतुलित बनाती है।

जब हम खुश रहते हैं, तो मन हल्का रहता है और सोच स्पष्ट होती है। काम में आनंद आता है, रिश्ते मज़बूत होते हैं और कठिनाइयाँ भी आसान लगने लगती हैं। तन की सेहत के लिए मन का स्वस्थ होना सबसे आवश्यक है-और मन तभी स्वस्थ रहेगा जब हम अपनी सोच को साफ़ रखेंगे, छोटी-छोटी खुशियों को अपनाएँगे और दूसरों की बातों से प्रभावित होने के बजाय अपने भीतर स्थाई खुशी ढूँढना सीखेंगे। खुशी बाहर नहीं मिलती; वह हमारे अंदर की सोच, ऊर्जा और फैलायी गई सुगंध में बसती है। बस ज़रूरत है उसे पहचानने, अपनाने और दुनिया में बाँटने की।

मनुष्य का भटकाव कभी खत्म नहीं होता। किसी को भौतिकता में खुशी मिलती है, तो कोई रिश्तों में-जहाँ भावनाओं का निवेश होता है। कोई प्रसिद्धि में खुशियाँ ढूँढता है, तो कोई अपनी कमाई हुई उपलब्धियों में। हर इंसान के खुशियाँ पाने के रास्ते अलग होते हैं, मूल्य अलग होते हैं। लेकिन खुशी कभी भी बाहरी नहीं होती। सच्ची खुशी स्वीकारोक्ति में मिलती है-जब हम खुद जैसे होते हैं, वैसे ही खुद को स्वीकार कर लेते हैं।

जब हम अपने भीतर खुद को तलाशते हुए हृदय की अंतिम सतह तक पहुँचते हैं, तभी खुशियों का वास्तविक अहसास शुरू होता है।

खुशी की प्रचुरता दूसरों के मानदंडों पर नहीं, बल्कि अपनी नैतिकता और अपने अनुभवों के साथ जीवन जीने पर निर्भर करती है। जब हम विचारों से स्वतंत्र होते हैं, तभी खुशी की उत्पत्ति होती है।

रिश्तों का हालातों के अनुसार बदलना स्वाभाविक है-और जब वे बदलते हैं, तो उनमें अटकने की बजाय, बहने जैसा मन होना चाहिए। तभी रिश्तों में सकारात्मकता आती है और हम संबंध से ऊपर उठकर रिश्ते की गरिमा बना पाते हैं। असीम संतोष के साथ तभी खुशी पल्लवित होती है।

खुशियाँ परिस्थितियों के अधीन नहीं होतीं। कृतज्ञता को हमें अंतरमन में समाहित करना चाहिए। जब हम स्वयं भीतर उतर जाते हैं, भावनाओं, उलझनों और इच्छाओं को नियंत्रित कर अपने आत्मबल से आत्मसंवाद करते हैं, तभी हमारी प्रगति होती है-और सरलता से खुशी का प्रभाव बना रहता है, जिसे बाँटने पर उसमें और वृद्धि होती है। बड़ी खुशी के इंतजार में रोज़ की छोटी-छोटी खुशियों को जीना न भूलें। तभी खुशियों की निरंतरता बनी रहती है। सच्ची खुशी हमेशा महसूस की जाती है; उसे व्यक्त नहीं करना पड़ता-वह सहज ही प्रसारित हो जाती है। आंतरिक खुशी ही हमें सच्ची खुशी देती है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

अतुल गोयल

लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं!

दवा नहीं, जागरूकता है कैंसर का इलाज

कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। यह वास्तव में उस बढ़ती हुई त्रासदी का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत की जीवनशैली, पर्यावरणीय विषाक्तता और सामाजिक असमानताओं से उपजी है। यह दिन हमें उस सच्चाई से रूबरू कराता है कि कैंसर अब किसी व्यक्ति या परिवार की निजी बीमारी नहीं रहा बल्कि एक राष्ट्रीय संकट बन चुका है। भारत की सड़कों से लेकर अस्पतालों तक, हर जगह यह रोग अपनी जड़ें गहराता जा रहा है और हमारे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों को उजागर कर रहा है। कैंसर अब केवल चिकित्सा की चुनौती नहीं बल्कि एक सामाजिक और आर्थिक बोझ भी बन चुका है। एक आम भारतीय परिवार के लिए कैंसर का इलाज उसकी जीवनभर की पूरी जमा पूंजी को निगल सकता है। 'नेशनल सेंटर फॉर डिसीज इंफॉरमेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) के अनुसार, देश में लगभग 60 प्रतिशत कैंसर मरीज तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी तीसरे या चौथे चरण में पहुंच चुकी होती है और देरी से निदान का सीधा अर्थ है, अधिक लागत, कम जीवन संभाव्यता और गहरी मानसिक पीड़ा। यह न केवल स्वास्थ्य तंत्र की अक्षमता का द्योतक है बल्कि हमारे समाज में व्याप्त जागरूकता की कमी का भी संकेत है।

भारत में कैंसर का स्वरूप बहुआयामी और तेजी से फैलता जा रहा है। पुरुषों में मुंह, फेफड़े, लीवर और प्रोस्टेट कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं जबकि महिलाओं में स्तन, गर्भाशय और अंडाशय के कैंसर की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी है। 'ग्लोबोकोन 2024' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पुरुषों के लगभग 30 प्रतिशत कैंसर मामले सीधे तौर पर तंबाकू सेवन से जुड़े हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर के मामलों में हर वर्ष लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर है क्योंकि वहां न तो जांच सुविधाएं हैं और न ही विशेषज्ञ उपचार। कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे केवल जैविक या आनुवंशिक कारण नहीं बल्कि हमारी अव्यवस्थित जीवनशैली और प्रदूषित परिवेश भी जिम्मेदार हैं। शहरी जीवन में जंक फूड, प्रोसेस्ड मांस, अल्कोहल, नींद की कमी और मानसिक तनाव जैसी आदतें शरीर के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ रही हैं। इन सबके बीच सबसे खतरनाक तत्व है वायु प्रदूषण। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के अनुसार, भारत में हर वर्ष लगभग तीन लाख कैंसर मामले प्रदूषण से जुड़े हैं। फेफड़े, लिवर और त्वचा कैंसर के पीछे प्रदूषण अब 'साइलेंट किलर' की भूमिका निभा रहा है। तंबाकू सेवन का संकट भी किसी महामारी से कम नहीं। भारत में लगभग 27 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का उपयोग करते हैं और हर वर्ष इससे करीब 13 लाख लोग असमय मृत्यु का शिकार बनते हैं। नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम बताता है कि देश में कुल कैंसर मामलों में से लगभग 40 प्रतिशत केवल तंबाकू से उत्पन्न होते हैं। कानून होने के बावजूद तंबाकू उत्पादों की खुलेआम बिक्री और छिपे विज्ञापन व्यवस्था की असफलता को दर्शाते हैं। कैंसर की असली चुनौती इसके इलाज में नहीं बल्कि इलाज तक पहुंच में है। निजी अस्पतालों में एक मरीज का औसत खर्च 10 से 15 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। सरकारी संस्थानों में भले लागत कम हो लेकिन वहां बेहद लंबी प्रतीक्षा और संसाधनों की कमी बड़ी बाधा बनती है। भारत का सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय जीडीपी का मात्र 1.3 प्रतिशत है जबकि वैश्विक औसत 5 प्रतिशत से अधिक है। यह अंतर बताता है कि कैंसर जैसी बीमारियों से जूझने के लिए भारत को अभी स्वास्थ्य निवेश के स्तर पर लंबा रास्ता तय करना है।

फिर भी, निराशा के बीच उम्मीद की किरणें भी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जेनेटिक एनालिसिस और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकें अब कैंसर के शुरुआती निदान में नई दिशा दे रही हैं। टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, एम्स और कई निजी संस्थान अब डिजिटल स्क्रीनिंग और डेटा आधारित उपचार मॉडल विकसित कर रहे हैं। 'नेशनल कैंसर ग्रिड' जैसी पहल ने देश के 300 से अधिक कैंसर केंद्रों को एक नेटवर्क में जोड़ा है ताकि अनुसंधान और डेटा साझाकरण से बेहतर नीतियां बनाई जा सकें। ये प्रयास सराहनीय हैं परंतु जब तक इनका लाभ महानगरों से निकलकर छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक नहीं पहुंचेगा, तब तक ये तकनीकी उपलब्धियां अधूरी ही रहेंगी। भारत सरकार ने 'राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम' और 'आयुष्मान भारत' जैसी योजनाओं के माध्यम से रोकथाम और उपचार की दिशा में कदम बढ़ाए हैं किंतु कैंसर आज भी लोगों के लिए 'देरी से समझ में आने वाली बीमारी' बना हुआ है। शिक्षा संस्थानों में जीवनशैली रोगों के प्रति जागरूकता, तंबाकू निषेध अभियान, महिलाओं में नियमित स्तन व गर्भाशय कैंसर जांच जैसे उपाय समाज में व्यापक बदलाव ला सकते हैं। जागरूकता का यह बीज जितना जल्दी बोया जाएगा, उतना ही समाज मजबूत और सुरक्षित बनेगा। कैंसर के खिलाफ जंग केवल अस्पतालों की चारदीवारी में नहीं लड़ी जा सकती बल्कि यह जंग हमारे घरों, विद्यालयों, कार्यस्थलों और सबसे बढ़कर हमारे विचारों में लड़ी जानी है। जब तक हम अपनी जीवनशैली में अनुशासन नहीं लाते, भोजन और पर्यावरण के प्रति सजग नहीं होते, तब तक कोई भी चिकित्सा प्रणाली हमें सुरक्षित नहीं रख सकती।

कैंसर की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है जागरूकता। जागरूक व्यक्ति ही अपने शरीर के संकेतों को समझकर समय पर जांच करवा सकता है और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर बीमारी से बच सकता है। यह मान लेना कि 'कैंसर मुझे नहीं होगा' हमारी सबसे बड़ी भूल है। सही दृष्टिकोण यह होना चाहिए कि 'मुझे सावधान रहना है।' यही सोच कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। आज दुनिया कैंसर पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है लेकिन भारत को चाहिए कि वह इस आर्थिक युद्ध को सामाजिक आंदोलन में बदले। नागरिकों को शिक्षित करना, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और नीति निर्माण में समानता को आधार बनाना समय की मांग है। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस स्पष्ट तौर पर यह संदेश देता है कि चेतावनी का समय अब समाप्त हो चुका है, अब कार्रवाई का समय है। कैंसर के खिलाफ यह संघर्ष केवल डॉक्टरों या सरकार का नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हर परिवार, हर संस्था और हर मीडिया मंच को अपनी भूमिका निभानी होगी। यह बीमारी शरीर की कोशिकाओं में नहीं बल्कि हमारी लापरवाही में जन्म लेती है। इसलिए, जागरूकता ही इसकी पहली और सबसे प्रभावी दवा है। कैंसर हमें केवल मृत्यु का भय नहीं दिखाता बल्कि वह हमें जीवन का मूल्य सिखाता है। जब हम इस सबक को आत्मसात कर लेंगे, तभी भारत उस भयावह छाया से मुक्त होकर एक स्वस्थ, सजग और संवेदनशील भविष्य की ओर बढ़ सकेगा।

धार यूथ कांग्रेस चुनाव : रोहित कामदार ने रिकॉर्ड मतों से फिर हासिल की जीत, कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

धार। मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें रोहित कामदार ने धार जिले में एक बार फिर धमाकेदार वापसी करते हुए जिला अध्यक्ष का पद जीत लिया है। उन्होंने सर्वाधिक मत प्राप्त कर अपनी पुरानी सीट पर पुनः निर्वाचित होकर जिले में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

सर्वाधिक मतों से विजय - रोहित कामदार को हाल ही में हुए यूथ कांग्रेस चुनाव में जिले भर से सर्वाधिक 6840 मत प्राप्त हुए हैं। इससे पहले भी वे यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं। उनकी यह रिकॉर्ड तोड़ जीत जिले के युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच उनकी लोकप्रियता और सक्रियता को दर्शाती है।

रोहित कामदार के जिलाध्यक्ष घोषित होते ही जिले भर में कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर जश्न मनाया और आतिशबाजी की। मोहन टॉकीज चौराहे पर देर शाम बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए। यूथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष अभिनव बिंजवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी की।

यह कार्यकर्ताओं की जीत है - अपनी जीत पर चर्चा करते हुए नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष रोहित कामदार ने इसे कार्यकर्ताओं की जीत बताया। उन्होंने कहा कि 'जनता की आवाज यूथ कांग्रेस बनेगी।' कामदार ने आगे कहा कि किसानों और पीड़ितों के लिए कांग्रेस हमेशा हर पल तैयार रहेगी और उनके मुद्दों को मजबूती से उठाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण समाज में तुलसी विवाह संपन्न

श्रीकृष्ण जी की बारात धूमधाम से निकली

धार। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नानेवाडी स्थित महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण समाज में श्री हरि और तुलसी का विवाह संपन्न हुआ जिसमे बड़ी संख्या में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पंडित नवीन मातापुरकर ने मंत्रोच्चार कर विवाह की समस्त विधि संपन्न करवाई। विवाह के पूर्व ढोल ढमाको के साथ

धर्मदास नगर से भगवान श्रीकृष्ण की बारात धूमधाम से निकाली गई समाज भवन में पुष्प वर्षा कर भगवान और बारातियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर गणेश पूजन और मंगलाष्टक तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह संपन्न हुआ । कार्यक्रम में रंगारंग आतिशबाजी की गई । तुलसी विवाह के अवसर पर युवतियों और महिलाओं ने नृत्य किया। महाआरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर पुलिस प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य करने पर एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर का समाज अध्यक्ष अरुण उज्जैनकर, वरिष्ठ समाजसेवी अधिवक्ता उदय वडनेरकर, समाजजनों तथा महिला मंडल ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया।

बीपीएम एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों को दिया अनमोल 2.0 सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में 6 नवम्बर को अनमोल 2.0 साफ्टवेयर में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए बीपीएम एवं डाटा एन्ट्री आपरेटरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े द्वारा बताया गया कि साफ्टवेयर से संबंधित, प्रसव अपडेशन, ई-केवायसी, डीबीटी अपडेशन, हाई रिस्क माताओं का चिन्हांकन एवं प्रबंधन, एचएमआईएस एवं टीकाकरण से संबंधित विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदाय की गई। प्रशिक्षण में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश परिहार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय, डीपीएम डॉ विनोद शाक्य, जिला एमएण्डईओ मनोज चढोकार, डाटा मैनेजर तापीदास चढोकार उपस्थित रहे।

अभिनंदन सरोवर के पीछे दुकानों का विस्थापन अधूरा

वर्षों बाद भी स्थाई ठिकाने से वंचित 85 दुकानदार

बैतूल। अभिनंदन सरोवर के पीछे नगरपालिका द्वारा 85 दुकानदारों को विस्थापित कर दुकानें लगाने भूखंड तो आवंटित कर दिए हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में यह मार्केट अब तक शुरू नहीं हो सका है। नगरपालिका ने इन दुकानदारों को विस्थापन के तहत टीनशेड लगाकर दुकानें बनाने की अनुमति दी थी। हालांकि, दो महीने बीतने के बाद भी यहां न तो बिजली की व्यवस्था हुई है, न ही सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। बिजली व्यवस्था न होने से दुकानदार अब भी सड़क किनारे अतिक्रमण कर दुकानें चला रहे हैं। इनमें से अधिकांश दुकानदारों का व्यवसाय बिजली पर आधारित है। ऐसे में बिना बिजली उनकी दुकानें चल पाना संभव नहीं है। कई दुकानदारों ने अपने खर्च पर टीनशेड डालकर दुकानें तैयार भी कर ली हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उन्हें शुरू नहीं कर पा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह वही 85 दुकानदार हैं, जिनसे वर्ष 2005 में नगरपालिका ने विस्थापन के नाम पर 5-5 हजार रुपए जमा कराए थे। लंबे इंतजार के बाद करीब 20 साल बाद इनका पुनर्वास तो किया गया, लेकिन अधूरे प्रबंधन की वजह से वह अब भी स्थायी ठौर से वंचित हैं।

दुकानें बनवाने विधायक ने दी थी सहायता राशि - स्थानीय विधायक द्वारा इन दुकानदारों को

सहायता राशि भी दी गई थी, ताकि वे एक जैसी दुकानें बनवा सकें। कुछ दुकानदारों ने यहां टीनशेड से दुकानों का निर्माण तो कर लिया है, लेकिन सुविधाओं के अभाव के कारण दुकानों का संचालन शुरू नहीं कर पा रहे है। दुकानदारों का कहना है कि नगरपालिका ने दुकानदारों को विस्थापित करने के लिए भूखंड तो आवंटित कर दिये, लेकिन अन्य सुविधाएं अभी तक उपलब्ध नहीं कराई है। सुविधाओं के अभाव में न दुकानदारें दुकानें शुरू कर पा रहे है और न ही ग्राहक आ रहे है। इसी वजह से टीनशेड की दुकानें बनाने के बावजूद दुकानों का संचालन शुरू नहीं कर पा रहे है।

बिजली नहीं होने से दुकानदार परेशान - अभिनंदन सरोवर के पीछे नगरपालिका ने 85 दुकानदारों को विस्थापित कर दुकानें लगाने भूखंड आवंटित किये है। लेकिन बिजली कनेक्शन के लिए अभी तक ट्रांसफार्मर, पोल और लाइन बिछाने का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। बताया गया कि नगरपालिका ने यहां ट्रांसफार्मर लगाने और बिजली की व्यवस्था के लिए एमपीईबी को फीस जमा कर दिया है। जिसके बाद अब जल्द ही बिजली की व्यवस्था होने की उम्मीद है, लेकिन सडक़ को लेकर अभी तक नपा द्वारा कोई ठोस योजना नहीं बनाई है। सूत्रों के अनुसार नगरपालिका ने यहां दुकानदारों को अस्थाई रूप से व्यवस्था की है। भविष्य में शासन का कोई प्रोजेक्ट आता है तो फिर उसके अनुसार काम किया जायेगा। फिलहाल दुकानदारों का काम चल जाये, वह सारी व्यवस्थाएं की जायेगी।

सड़क किनारे लगा रहे दुकानें - भूखंड आवंटित और दुकानें बनाने के बाद भी दुकानदार सडक़ किनारे अस्थाई रूप से दुकानें लगा रहे है। जिससे शहर की सडक़ों पर अतिक्रमण तो नजर आता ही है, साथ ही सडक़ों की चौड़ाई प्रभावित होने से बार-बार जाम और दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना रहता है। सबसे खराब स्थिति साप्ताहिक बाजार वाले दिन निर्मित होती है, जब अस्थाई दुकानदारों के अलावा सब्जी बाजार में दुकान लगाने वाले विक्रेता आते है। इससे व्यवस्थाएं पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाती है। साप्ताहिक बाजार वाले दिन तो हालात इतने खराब हो जाते है कि लोगों को घंटो जाम में फंसे रहना पड़ता है।

इनका कहना है -

बिजली व्यवस्था के लिए एमपीईबी में फीस जमा कर दी है। अब एमपीईबी बिजली व्यवस्था करेगी। दुकानदारों के लिए फिलहाल अस्थाई रूप से व्यवस्था की गई है, इसलिए सडक़ निर्माण नहीं करवा पायेगे। केवल मुरम डाल सकते है। यदि शासन को कोई प्रोजेक्ट आता है तो फिर उसके अनुसार काम किया जायेगा। फिलहाल दुकानदारों का काम चल जाये, ऐसी पूरी व्यवस्था की जायेगी।

- **सतीश मटसेनिया,** सीएमओ, नगरपालिका

एसआईआर में मतदाताओं की बढ़ी रुचि, द्वार-द्वार पहुंच रहे बीएलओ

आमला। सरकार की मंशाअनुरूप देश के कई प्रांतों में शुरू हुई एसआईआर यानी गहन मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया प्रदेश में भी शुरू हो चुकी है, इसके लिए आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र में 276 बीएलओ को नियुक्त किया गया है।

निर्वाचन आयोग आमला के प्रभारी दिलीप सोनपुरे ने बताया है कि एस.आई.आर की प्रक्रिया आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र में शुरू की जा चुकी है, जो 4 दिसंबर तक चलेगी, इसके बाद 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे आपत्ति स्वीकार किए जाएंगे। 31 जनवरी 2026 को पूरे विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की अंतिम सूची तैयार की जाएगी, इसके लिए निर्वाचन में लगे सभी कर्मचारी पूरी गंभीरता से काम कर रहे है,साथ ही आम लोगों एवं जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है, बताया गया है कि निर्वाचन द्वारा एस.आई.आर सतत चलने वाली प्रक्रिया है, किंतु इस बार बेहद छोटी-छोटी चीजों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि मतदाताओं की एक आदर्श सूची तैयार की जा सके। भारतीय निर्वाचन आयोग की मंशा अनुसार आदर्श मतदाता सूची तैयार करने के लिए वर्ष 2003 को एक बड़ा आधार माना जा रहा है, जैसे की 2003 के बाद 2025 तक जो मतदाता सूची में जुड़े हैं वो 2003 में किस क्षेत्र की मतदाता सूची में जुड़े थे, या फिर बाद में जुड़े हैं पूर्व का कोई रिकॉर्ड स्वयं का परिवार का जो भी हो बीएलओ को बताना पड़ेगा, इसके

लिए यानी स्वयं का या परिवार के किसी अन्य लोगों का मतदाता सूची की भाग संख्या और सरल क्रमांक बताने से भी काम चल सकता है,लेकिन नवीन मतदाता पत्र के लिए दो रंगीन फोटो और कुछ मामूली जानकारी भी बीएलओ को उपलब्ध कराना होगा,जैसा कि यहां बताया गया है कि घर-घर पहुंचने वाले बीएलओ सिर्फ एक बार ही नहीं बल्कि कई बार मतदाताओं के घर पहुंचेंगे ताकि कोई भी त्रुटि की संभावना ना रहे।

अगले माह दावा आपत्ति

एसआईआर के लिए निर्वाचन आयोग पिछले कुछ दिनों से लगातार बैठके कर रहा है। निर्वाचन आयोग की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में अगले माह 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे आपत्ति पर भी गंभीरता से काम किया जाना है। जानकारी के अनुसार 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। फिलहाल आमला विधानसभा क्षेत्र में 21718 मतदाता है। इधर इस मौके पर इलाके के कई लोगों ने एसआईआर की प्रक्रिया का खुलकर समर्थन किया है, इस मौके पर लोगों ने इस प्रक्रिया की सराहना भी की है, शहर के मोहम्मद रईस, परवेज खान, इसराइल शाह, राजा, गुड्डू चौहान आदि कई लोगों ने निर्वाचन विभाग की इस प्रक्रिया का समर्थन किया है और कहा है कि इस माध्यम से देश में एक आदर्श भी स्थापित किया जा सकता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर मां ताप्ती तट के चार स्थानों पर लगा आयुष विभाग का निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर

बैतूल। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर 5 नवम्बर बुधवार को मां ताप्ती तट पर आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि यह शिविर मां ताप्ती के तट पर आने वाले श्रद्धालु भक्तों और ग्रामीणों को आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। यह मेगा शिविर चार स्थानों ताप्ती कोलगांव, ताप्ती बारहलिंग, ताप्ती मुलताई और मी पूर्णा तट पर एक साथ संपन्न हुआ। ताप्ती कोलगांव शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. अतुल राय के साथ डॉ. वीरेन्द्र सिंह शाक्य, डॉ. वंदना सिंह शाक्य और डॉ. विशाल वर्मा ने अपनी सेवाएं दीं। ताप्ती बारहलिंग शिविर का संचालन नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका अहिरवार द्वारा किया गया, जिनके साथ आकांक्षा डोंगरे और डॉ. महेश आहाके शामिल रहे। ताप्ती मुलताई शिविर में डॉ. हेमराज इवने, डॉ. प्रगति पंडोले और डॉ. राहुल झरबडे ने उपचार सेवाएं दीं। पूर्णा तट पर आयोजित शिविर का नेतृत्व नोडल अधिकारी डॉ. पूनम नागले ने किया, जिनके साथ डॉ. प्रियंका और डॉ. राजेश जाधव उपस्थित रहे। इन चारों स्थानों पर कुल 602 लाभार्थियों ने निःशुल्क आयुष औषधियों का लाभ प्राप्त किया, जिनमें आयुर्वेद के 491 और होम्योपैथिक के 111 मरीज शामिल रहे। शिविर में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता, अर्श, दुर्बलता, स्त्री रोग, कास-श्वास, ज्वर आदि रोगों से पीड़ित लोगों को औषधियां प्रदान की गईं। आयुष विभाग के 37 कर्मचारियों ने चारों शिविरों में अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। शिविर के दौरान आयुष क्योर ऐप की जानकारी, औषधीय पौधों की पहचान, योग और मेडिटेशन के लाभ, रोगानुसार योग क्रियाएं और सरल योगाभ्यास का प्रशिक्षण भी दिया गया। मां ताप्ती तट पर यह आयोजन श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा।

संभागायुक्त ने किया बैतूल मंडी का औचक निरीक्षण

भावांतर भुगतान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

बैतूल। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ गुरुवार को बैतूल मुख्यालय स्थित बडोरा कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंडी में किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं एवं सोयाबीन नीलामी प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण में भावांतर भुगतान योजना में पंजीकृत किसानों द्वारा अपनी उपज की बिक्री का अवलोकन किया गया। इस दौरान पंजीकृत कृषक द्वारा अपनी सोयाबीन 4511 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से व्यापारी को बेचे जाने की प्रक्रिया संभागायुक्त की उपस्थिति में संपन्न हुई। उन्होंने ग्राम रानीपुर के कृषक धनराज और हिरावाड़ी के कृषक अशोक राठौर से चर्चा कर भुगतान की समयावधि की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि अधिकांश मामलों में भुगतान उसी दिन या तौल लंबित रहने पर अगले दिन मिल जाता है। संभागायुक्त श्री तिवारी ने भारसाधक अधिकारी एवं मंडी सचिव को निर्देशित किया कि मंडी की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहें। किसानों को उपज विक्रय में परेशानी न आए और शिकायतों का त्वरित निराकरण हो। भावांतर भुगतान योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मंडी सचिव ने बताया कि जो किसान अपनी उपज को सुखाकर और साफ-सुथरा कर ला रहे हैं, उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है, जबकि निम्न गुणवत्ता की उपज के भाव में कमी आ रही है। किसानों से अपील की गई कि वे अपनी उपज को नमी रहित और स्वच्छ अवस्था में मंडी तक लाएं, ताकि उन्हें अधिकतम मूल्य और भावांतर की राशि का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, उपायुक्त नर्मदापुरम संभाग गणेश अग्रवाल, एसडीएम अभिजीत सिंह, मंडी सचिव श्री परते, उप संचालक कृषि आनंद कुमार बड़ोनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आठनेर जनपद और तहसील कार्यालय का संभागायुक्त ने किया निरीक्षण

ई ऑफिस का प्रभावी संचालन के दिए निर्देश

बैतूल। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने गुरुवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ आठनेर जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन, कार्य विभाजन, बायोमेट्रिक उपस्थिति और कार्यालयीन कार्यों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, उपायुक्त गणेश अग्रवाल और जनपद अध्यक्ष आठनेर श्रीमती रोशनी यादव भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री तिवारी ने सबसे पहले जनपद पंचायत कार्यालय का दौरा कर जनपद सीईओ से ई-ऑफिस के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारियों की आईडी तैयार कर ई-ऑफिस को पूर्णतः सक्रिय किया जाए तथा आवक-जावक सहित किसी भी फाइल का संचालन ऑफलाइन न हो। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व की सभी फाइलों को भी ई-ऑफिस में दर्ज किया जाए और कार्यालय की स्थापना तथा विकास कार्यों के संबंध में व्यवस्थित एवं स्पष्ट कार्य-विभाजन सुनिश्चित किया जाए। संभागायुक्त ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस के निर्देशों का भी कड़ाई से पालन

करने के निर्देश दिए। इसके बाद संभागायुक्त ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर तहसीलदार आठनेर से ई-ऑफिस व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने तहसील स्तर पर भी ई-ऑफिस के प्रभावी और पूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अजीत मेरावी, जनपद सीईओ सुश्री आस्था जैन और तहसीलदार सुश्री कीर्ति डहरिया उपस्थित रहीं।

वन्दे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रगान के सम्मान में जिलेभर में आयोजन होंगे

धार। वन्दे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के सभी 18 मंडलों में आयोजन होने जा रहे है। 7 नवंबर को भाजपा जिला कार्यालय परिसर में सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन दोपहर 1 बजे किया जाएगा । जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, नगर के वरिष्ठ नेता पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। वन्दे मातरम् अभियान जिला टोली बनाई गई जिसमें संयोजक राखी राय, सह संयोजक सुनील मोदी और डॉ बलबहादुर सिंह को बनाया गया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने कहा कि 'वन्दे मातरम् केवल गीत नहीं, यह भारत की आत्मा का स्वर है। यही गीत हमारी राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का स्रोत रहा है।' यह गीत आज़ादी के

आंदोलन के दौरान हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करने वाला था। आज जब इसके 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह हम सबके लिए गर्व और संकल्प का क्षण है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए हम इस गीत के भाव को जन-जन तक पहुँचाएँ।

उन्होंने बताया कि भाजपा संगठन द्वारा जिलेभर में 'वन्दे मातरम् 150 वर्ष गौरव यात्रा' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों और जनसभाओं में वन्दे मातरम् गीत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रभक्ति के महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारती ने कहा कि 'वन्दे मातरम् वह सूत्र है जिसने भारत की एकता को सशक्त किया। आज की पीढ़ी को इस गीत के भावार्थ से जोड़ना हमारा दायित्व है।' यह गौरव यात्रा 7 नवम्बर से आरंभ होकर 26 नवम्बर (संविधान दिवस) तक चलेगी। इस दौरान विद्यालयों व महाविद्यालयों में निबंध, चित्रकला एवं वन्दे मातरम् गायन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

अंडर-15 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन खंडवा ने झाबुआ को हराया

धार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन धार के तत्वावधान में आज अंडर-15 क्रिकेट स्पर्धा के दूसरे दिवस में खंडवा और झाबुआ के मध्य मैच के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष दास रीजनल मैनेजर भारतीय स्टेट बैंक धार के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी कुणाल मकवाना ने की। अतिथिद्वय का स्वागत जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी कीका भाई , प्रमोद शर्मा,राम सोलंकी द्वारा किया गया।

आज के मैच में झाबुआ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई । जिसमें सर्वाधिक 56 रन समर्थ अरोरा ने बनाए। अथर्व डोरवाल ने दस ओवर में 25 रन देकर 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खंडवा की टीम ने 23 ओवर 119 रन बनाकर मैच जीत लिया। मेन ऑफ द मैच अथर्व डोरवाल खंडवा को अजेश माइकल के द्वारा प्रदान किया गया । स्पर्धा के दौरान धीरेन्द दिघे उपाध्यक्ष, मोइस रहमान आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। कल खंडवा एवं खरगोन के मध्य क्रिकेट मैच होगा। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के प्रवक्ता रामगोपाल शर्मा द्वारा किया गया।

किसानों को नई ई-टोकन व्यवस्था के बारे में दी जानकारी, खाद वितरण की पारदर्शिता पर दिया जोर

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किया ग्यारसपुर भंडारण केंद्र का निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने गत दिवस ग्यारसपुर स्थित खाद भंडारण केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने भंडारण केंद्र पर खाद वितरण की प्रक्रिया, स्टॉक की स्थिति तथा किसानों की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने पोस मशीन के माध्यम से किसानों को दी जा रही खाद वितरण प्रणाली का प्रत्यक्ष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि खाद वितरण की पारदर्शी और तकनीकी व्यवस्था किसानों को राहत देने में सहायक होगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी किसान को केंद्र पर अधिक समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कलेक्टर ने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने ई-टोकन प्रणाली की नई व्यवस्था के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ई-टोकन व्यवस्था से खाद वितरण और अधिक पारदर्शी तथा सुव्यवस्थित होगा। किसानों को अब अपने निर्धारित समय पर बिना भीड़ के खाद प्राप्त होगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम प्रभारी से भंडारण की स्थिति की जानकारी ली, जहां पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण पाया गया। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर तथा संबंधित अभिलेखों का भी अवलोकन किया। गोदाम प्रभारी ने बताया कि, केंद्र पर खाद की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। नई ई-टोकन प्रणाली से किसानों को बड़ी सुविधा मिल रही है। अंत में कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को आवश्यक खाद समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो। अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य में पूर्ण निष्ठा के साथ जुटें। निरीक्षण भ्रमण के दौरान स्थानीय एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी साथ मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया की कार्य प्रगति की अपर कलेक्टर ने की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षणअभियान के अंतर्गत सीहोर तहसील कार्यालय में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया की अब तक की कार्य प्रगति की समीक्षा की। उनहोंने निर्देश दिए कि एसआईआर प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार संचालित किया जाए। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित यह विशेष अभियान लोकतंत्र की नींव को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का सही और समय पर संकलन सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में न रहे।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य औषधी व नापतौल के कार्यो का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को अपने चैम्बर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं नापतौल निरीक्षक की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिए कि जिले के समस्त मेडिकल स्टोर्स की जांच की जाए तथा बिना डॉक्टर की पर्ची के औषधि विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर नोटिस जारी कर कार्यवाही की जाए। बिना फार्मासिस्ट की उपस्थिति में मेडिकल स्टोर संचालित पाए जाने पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को बाजार में विक्रय किए जा रहे मावा, मावा से बनी मिठाइयाँ, अन्य मिठाइयाँ, दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों की सतत जांच कर नमूने प्रयोगशाला परीक्षण हेतु भेजने के निर्देश दिए गए। इंदौर में नकली घी फैक्ट्री पर हुई कार्रवाई के संदर्भ में कलेक्टर ने जिले में विक्रय ना हो पाए इसके लिए विशेष सतर्कता व चैकस निगरानी अख्तियार करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने नकली दवाईयों का विक्रय विदिशा जिले में ना हो पाए के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट ना हो इसके लिए सभी क्षेत्रीय के साथ-साथ नामी ख्याति कंपनियों के उत्पादको की सामग्री का परीक्षण भी अनिवार्य रूप से करें।

तवा बाई तट मुख्य नहर में हरदा जिले के लिए सिंचाई हेतु जल प्रवाह छोडा गया

नर्मदापुरम (निप्र)। संभागीय जल उपयोगिता समिति में लिए गए निर्णय के अनुसार आगामी रबी फसलों की सिंचाई हेतु हरदा जिले के लिए तवा बाई तट मुख्य नहर में जल प्रवाह प्रारंभ किया गया। आज सायं 5 बजे से 218 क्यूसेक जल प्रवाह छोड़ा गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता, श्री आर. आर. मीना व जन प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद ने किया उच्चतर माध्यमिक शाला बांद्राभान में छात्राओं से संवाद

नर्मदापुरम (निप्र)। सांसद नर्मदापुरम श्री दर्शन सिंह चौधरी ने उच्चतर माध्यमिक शाला बांद्राभान में छात्राओं से संवाद कर विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होने बच्चों से उनकी अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारियों पर चर्चा करते हुए सभी को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया साथ ही, खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वर्ल्ड कप विजेता टीम से प्रेरणा लेने और उसी समर्पण भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा और खेल – दोनों में संतुलित प्रगति ही सफलता की सच्ची पहचान है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड कचरा निष्पादन की होगी जांच

बैतूल (निप्र)। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उईके, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख तथा विधायक भैंसदेही श्री महेंद्र सिंह चौहान की उपस्थिति में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकायों के स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा लंबित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान बैतूल नगर पालिका अंतर्गत ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरा निष्पादन कार्य की स्थिति पर विशेष चर्चा की गई। निर्धारित टेंडर के अनुरूप स्थल पर कचरा निष्पादन कार्य नहीं पाए जाने की स्थिति में विधायक श्री खंडेलवाल ने जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन को अपर कलेक्टर, एसडीएम बैतूल एवं कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी को सम्मिलित करते हुए जांच दल गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह दल सात दिवस के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा।

महिला को आत्महत्या से जवानों ने बचाया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के रंगिया मोहल्ला, कोतवाली के पीछे निवासरत श्रीमती ललिता अहिरवार पति श्री ब्रजेश अहिरवार उम्र 38 वर्ष ने आज पारिवारिक विवाद के चलते बेतवा नदी पुल से आत्महत्या का प्रयास किया। घाट पर तैनात होमगार्ड जवान वीरेंद्र रघुवंशी एवं दशरथ सिंह राजपूत ने सतर्कता दिखाते हुए महिला को पुल पर चढ़कर आत्महत्या करने का प्रयास करते देखा। दोनों जवानों ने तत्काल मौके पर पहुँचकर उसे आत्महत्या करने से रोका और समझाइश देकर सुरक्षित नीचे उतारा। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्री मयंक जैन ने बताया कि आवश्यक कार्यवाही हेतु महिला को स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया गया है। जवानों की तत्परता एवं समझदारी से एक जन-जीवन की रक्षा संभव हो सकी है।

जेएच कॉलेज में 30 दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में 'स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा 30 दिवसीय रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता सोनी, टीपीओ प्रो. ऋषिकांत पंथी तथा चेंज मेकर श्री गौरव मालवीय उन्नति फाउंडेशन की उपस्थिति रही। डॉ. अनिता सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कोर्स विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार प्राप्त करने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। प्रो. ऋषिकांत पंथी ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष भी यह कोर्स संचालित किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप टीसीएस में पांच विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ था। श्री गौरव मालवीय ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा निजी क्षेत्र में आवश्यक संप्रेषण कौशल और सॉफ्ट स्किल्स का विकास कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थी इस कोर्स को पूर्ण कर 'उद्योगम पोर्टल' पर पंजीकृत होकर विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. सुदामा कोकाटे, प्रो. संतोष पवार एवं कु. गायत्री यादव का सराहनीय योगदान रहा।

कृषि को समझने के लिए स्कूल के विद्यार्थियों को जोड़ा मृदा परीक्षण से

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में किए जा नवाचारों की कड़ी में अब एक नया अध्याय जुड़ रहा है। जिसके तहत स्कूली छात्रों को भी कृषि से जोड़ने, कृषि का ज्ञान उपलब्ध कराने की दृष्टि से शासन की योजना के अंतर्गत विदिशा जिले के 9 पीएम श्री स्कूल के बच्चों को इस योजना से जोड़ा है।जिसके अंतर्गत प्रत्येक पीएम श्री स्कूल को 50 मिट्टी के नमूने छात्रों के माध्यम से किसानों के खेतों से एकत्र करके प्रयोगशाला के अधिकारियों तथा पीएम श्री स्कूल के व्याख्याताओं के मार्गदर्शन में मिट्टी नमूने का विश्लेषण कर उपलब्ध तत्वों का पता लगाना है । कृषकों के खेतों से मिट्टी नमूना लेने से लेकर उनका विश्लेषण कर एवं रिपोर्ट उपलब्ध कराने तक की पूरी प्रक्रिया छात्रों के द्वारा की जावेगी। इसी कार्ययोजना को पीएम श्री स्कूल के शिक्षकों एवं प्रतिनिधियों को समझाने की दृष्टि से सोमवार तीन नवंबर को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विदिशा के उपसंचालक कार्यालय में एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला में उपस्थित पीएम श्री स्कूल के शिक्षक तथा प्रतिनिधियों को विभाग के उपसंचालक श्री के एस खपेड़िया के मार्गदर्शन में सहायक संचालक कृषि

श्रीमती अविना सिंह परिहार एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती साक्षी सचान द्वारा नमूने लेने की प्रक्रिया तथा विश्लेषण एवं योजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं को उपस्थित प्रतिनिधियों के समक्ष विस्तार से बताया गया। गौरतलब हो कि प्रदेश में संचालित भारत सरकार की योजना मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता अंतर्गत जिले के किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण किया जाकर मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा तथा बोई जाने वाली फसल में लगने वाले पोषक तत्वों की मात्रा का ज्ञान देने हेतु मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए जाते हैं। यह कार्य विदिशा जिले में संचालित 8 मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के द्वारा किया जाता है। जिसमें कृषि प्रसार कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में मिट्टी के नमूने किसानों के खेतों से एकत्र किए जाकर मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं को पहुंचाए जाते हैं जहां पर तकनीकी अधिकारी मिट्टी नमूनों को विश्लेषित कर उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करके मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को उपलब्ध करवाते हैं।

मंडी का मुख्य उद्देश्य किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाना है : सचिव श्री वरवड़े

मंडी प्रबंधन किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता पर रखे : सचिव श्री वरवड़े

- भावांतर के तहत फसल खरीदी प्रक्रिया में रखी जाए पारदर्शिता - सचिव श्री वरवड़े
- किसानों को समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए उपज का भुगतान - सचिव श्री वरवड़े
- कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े ने किया सीहोर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े ने सीहोर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने भावांतर भुगतान योजना के संचालन की स्थिति देखी और मंडी में चल रही खरीदी, तुलाई एवं भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नीलामी शेड, तुलाई प्रक्रिया, भुगतान पंजीयन और खरीदी की व्यवस्थाओं को देखा तथा मंडी सचिव को निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी जाए और किसानों को कतार में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। इसके साथ ही तुलाई तथा भुगतान की प्रक्रिया समय सीमा में पूरी की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में मंडियों में खरीदी प्रक्रिया और भावांतर योजना के तहत चल रही कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव श्री वरवड़े ने मंडी परिसर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि मंडी का मुख्य उद्देश्य किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाना है। उन्होंने नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बोली के दौरान एक रुपये की बोली न लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह कहा कि मंडी अधिकारी और व्यापारी यह प्रयास करें कि नीलामी के दौरान बोली अधिक से अधिक रहे, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मॉइश्चर मशीन और ग्रेड सेपरेटर जैसी मशीनों के उपयोग की जानकारी ली और कहा कि इनका सही प्रयोग कर उपज का सटीक वर्गीकरण किया जाए, जिससे किसानों को उनकी फसल की गुणवत्ता के अनुसार मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने मंडी प्रशासन को प्रतिदिन की गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करने और समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। सचिव श्री वरवड़े ने किसानों की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों को भोजन की उचित व्यवस्था मिले और निर्धारित दर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी प्रबंधन किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता पर रखे और योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर राज्य कृषि विपणन बोर्ड की संयुक्त संचालक श्रीमती सविता झानिया, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, कृषि उपसंचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय, तहसीलदार डॉ. अमित सिंह और मंडी सचिव श्री नरेंद्र कुमार माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ विधि ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके

हरदा (निप्र)। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके सोमवार को हरदा प्रवास के दौरान न्यायालय परिसर हरदा में जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ विधि ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

इस दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अरविन्द रघुवंशी, विशेष न्यायाधीश श्री जयदीप सिंह, विशेष अतिथि हरदा विधायक डॉ. आर.के. दोगने, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, पूर्व विधायक टिमरनी श्री संजय शाह, न्यायाधीश, अधिवक्ता गण सहित न्यायालय के अधिकारी कर्मचारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की फोटो पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारी न्याय प्रणाली दुनिया की सबसे प्राचीन प्रणाली है जो निर्णय निष्पक्ष निर्भय होकर देते हैं, उनका सभी सम्मान करते हैं और मानते हैं। विधायक डॉ. आर.के. दोगने ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि सभी को न्याय मिले, इसकी जिम्मेदारी आप सभी की है। प्रधान न्यायाधीश श्री अरविन्द रघुवंशी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि सभी को न्याय व्यवस्था को चलाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों ने जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्री संदीप कुमार स्वामी, सचिव श्री शैलेन्द्र कुमार जोशी, सहसचिव श्री अजय सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष श्री विजय कुमार कोठारी, ग्रन्थपाल श्री अखलेश कुमार भाटी, कार्यकारिणी सदस्य अनारक्षित श्री धर्मेन्द्र पिपलौदे, श्री नारायण तिवारी, श्री लखन बामने, श्री विनोद कुमार शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य आरक्षित श्री राघवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री उमेश सेजकर, श्री विक्रम कौशल कर्यकारिणी सदस्य आरक्षित महिला सुश्री नंदिनी शर्मा, आरक्षित कार्यकारिणी सदस्य टिमरनी श्री शुभम पुनासे, आरक्षित कार्यकारिणी सदस्य खिरकिया श्री अरसाईद खान शामिल थे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रमाण पत्र वितरित किए गये अतिथियों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व निर्वाचन कराने वाले अधिवक्ताओं का प्रमाण पत्र व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक समाधान किया जाना सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में सभी जिला अधिकारियों को दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सभी एसडीएम से तहसीलों में शिकायतों के निराकरण की जानकारी ली और शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपदवार शिकायतों की निराकरण की भी जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने खाद्य विभाग, लोक स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जनजातीय कार्य विभाग, वन विभाग इत्यादि विभागों को अपने अधीनस्थ अमलों को फील्ड में जाकर शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

तहसीलदार पलक पिडिहा एवं पेट्रोल पंपो का औचक निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले की सभी तहसीलो में स्थापित पेट्रोल पंपो का संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों के द्वारा जांच पड़ताल की गई है। इसी क्रम में आज कृष्णा पेट्रोल पंप, गुलाबगंज का औचक निरीक्षण क्षेत्र की तहसीलदार श्रीमती पलक पिडिहा और संबंधित अन्य विभागीय दल द्वारा की गई है। निरीक्षण दल में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, मापतौल विभाग तथा राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने पेट्रोल एवं डीजल की गुणवत्ता, माप की सटीकता, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर एवं वितरण संबंधी अभिलेखों की जांच की। दल द्वारा डिस्पेंसिंग यूनिट की सील, पाइपलाइन, डीजल टैंक के स्तर, नमूना पेट्रोलध्डीजल की घनत्व जांच तथा मीटर रीडिंग का परीक्षण किया गया। इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि उपभोक्ताओं को मानक मात्रा में ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही निरीक्षण दल ने सुरक्षा उपकरणों जैसे फायर एक्सटिंग्विशर, इमरजेंसी कटऑफ स्विच, अर्थिंग सिस्टम

आदि की भी जांच की और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पंप संचालक को यह भी निर्देशित किया कि परिसर में मूल्य सूची, शिकायत पुस्तिका एवं उपभोक्ता सहायता नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित रहें ताकि पारदर्शिता बनी रहे। प्रारंभिक जांच में सभी अभिलेख सुव्यवस्थित पाए गए (या यदि आप चाहें तो यहाँ लिख सकते हैं कृ 'कुछ कमियां पाई गईं, जिनके सुधार हेतु तत्काल निर्देश दिए गए ')। संबंधित विभाग द्वारा जांच प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित किया जा रहा है।

राइट क्लिक

तो क्या 'वोट चोरी' का मुद्दा चुनावी 'वार्म अप' ज्यादा है?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले तक 'वोट चोरी' (एसआईआर, यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) का जो मुद्दा जोर-शोर से उठा और चुनाव प्रचार के दौरान लगभग गायब रहा, उसी 'वोट चोरी' के मुद्दे में चुनाव के अधबीच राहुल गांधी ने फिर से जान फूंकने की कोशिश की है। लेकिन दिक्कत यह है कि यह मुद्दा विपक्षी राजनीतिक दलों को तो परेशान किए हुए है, लेकिन उस जनता से अपेक्षानुरूप जुड़ नहीं पा रहा है, जिसे वोट करना है। 'वोट चोरी' की बात उठाने से विपक्षी पार्टियों को वोट मिलेंगे ही, इसकी कोई गारंटी नहीं है। हाल में चुनाव आयोग द्वारा विपक्षी दलों के विरोध को दरकिनार करते हुए 12 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में एसआईआर 2.0 की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पश्चिम बंगाल में एसआईआर की खबर मिलते ही कुछ बांगलादेशी विस्थापितों ने आत्महत्याएं शुरू कर दी हैं तो तमिलनाडु और केरल की सरकारें इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। हालांकि यह मामला सुप्रीम में पहले ही लंबित है। ऐसे में दोबारा उसे लगाने का क्या मतलब है? और अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर रोक नहीं लगाई है। तो क्या ये सिर्फ उन राज्य सरकारों का चुनावी 'वार्म अप' है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं? जिस तरह यह मुद्दा बिहार में पहले दौर के चुनाव प्रचार में गायब रहा उससे लगता है कि यह मुद्दा तकनीकी और नैतिक ज्यादा है? अब सवाल ये कि अगर 'वोट चोरी' के मुद्दे पर वोट पाने की गारंटी नहीं है तो इसे उठाते रहने का व्यावहारिक औचित्य क्या है? क्या केवल चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ाकर चुनाव प्रक्रिया को संदिग्ध बनाना, एनडीए सरकारों की नीयत पर उंगली उठाना या फिर एक बुनियादी सवाल को लेकर लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ते रहना है?

चुनाव आयोग मप्र सहित एक दर्जन राज्यों में जो एसआईआर करा रहा है, उसका राजनीतिक नामकरण राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' किया हुआ है। इस मुद्दे पर चुनाव आयोग और मोदी सरकार को घेरने के अपने अभियान के दूसरे चरण में हाइड्रोजन बम फोड़ते हुए राहुल गांधी ने हरियाणा में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोटों की चोरी का आरोप मय सबूतों के लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि ब्राजील की एक मॉडल (अब पूर्व) की फोटो 22 अलग-अलग नामों पर लगी मिली। उन्होंने कहा कि जैसे हरियाणा में वोट चोरी कर भाजपा ने बिहार में सरकार बनाई, वैसा ही खेल बिहार में भी होने जा रहा है। जबकि सभी चुनावी सर्वेक्षणों में हम ही जीत रहे थे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि पिछले साल लोकसभा चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में ज्यादातर पोल एनडीए को चार सौ पार बता रहे थे, लेकिन नतीजा क्या आया? वहां किसके वोट किसने चुराए ? बहरहाल राहुल गांधी के इस संगीन आरोप पर चुनाव आयोग स्थितप्रज्ञ ही रहा। जबकि भाजपा ने राहुल के दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिहार में संभावित हार के मद्देनजर तैयार की जा रही पूर्वपीठिका है।

यहां दो बातें हैं। चुनाव के पहले एसआईआर का तगड़ा विरोध और चुनाव के समय इस मुद्दे का हाशिए पर जाना तथा चुनाव नतीजों के बाद फिर अपनी शय्या से जाग उठना। दरअसल अब चुनाव में धार्मिक व जातीय गोलबंदी, रेवड़ियों की बौछार और माइक्रो लेवल के वोट मैनेजमेंट की गलाकाट होड़ के बीच जीत की वैधता को चुनौती देने का नया हथियार है एसआईआर। क्योंकि अगर इस मुद्दे पर वोटरों को गोलबंद किया जा सकता तो बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान इसे हाशिए पर क्यों डाल दिया गया? और अब फिर उसमें जान क्यों फूंकी जा रही है? विपक्षी दल इसको लेकर इतने संवेदनशील और डरे हुए क्यों हैं? और चुनाव आयोग और भाजपा इस विरोध की परवाह क्यों नहीं कर रहे हैं? जहां तक बिहार का सवाल है तो वहां विधानसभा चुनाव के नतीजे वोट चोरी मुद्दे का राजनीतिक भविष्य भी तय करेंगे, इसमें शक नहीं। फिर चाहे एनडीए जीते अथवा महागठबंधन।

वास्तव में विपक्षी दलों को संदेह चुनाव आयोग की नीयत पर है। उनका मानना है कि वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर चुनाव आयोग परोक्ष रूप से भाजपा और एनडीए को जीतते जाने में मदद कर रहा है। ऐसा ही चला तो उनके हाथों से सत्ता छिननी तय है। इसीलिए तमिलनाडु में सत्ताधारी डीएमके और उसके सहयोगियों ने एसआईआर को 'लोकतंत्र को कमजोर करने की केंद्रीय साजिश' करार देते हुए इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। कहा गया कि तमिलनाडु में बिहार दोहराने नहीं दिया जाएगा, जहां एसआईआर के बाद 65 लाख वोटरों के नाम कटे हैं। स्टालिन सरकार की तर्ज पर ऐसा ही कदम केरल की वामपंथी सरकार भी उठा रही है।

पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने तो एसआईआर को 'बिहार का ड्रेस रिहर्सल' बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी के वरिष्ठ नेता डेरिक ओब्रायन ने कहा कि 'एसआईआर का असली निशाना बंगाल है। जबकि भाजपा नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि एसआईआर से टीएमसी का फर्जी वोट बैंक साफ हो जाएगा। जाहिर है कि इन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने तक राजनीतिक मिसाइलें चलती रहेंगी। लेकिन 'एसआईआर' और 'वोट चोरी' में एक गुणात्मक अंतर है। एसआईआर एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसे राज्य तमाम विरोध और अड़ंगों के बाद भी नहीं रोक सकेंगे। जबकि 'वोट चोरी' एक शंकाजन्य राजनीतिक जुमला है, जो दोहराया जाता रहेगा। इसका अर्थ यह नहीं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण में कहीं कोई गड़बड़ियां हुई ही नहीं हैं। कई सवाल अभी बाकी हैं, जिनके चुनाव आयोग ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिए हैं।'

चुनावी माहौल बनाने की दृष्टि से 'वोट चोरी' अहम मुद्दा है। लेकिन क्या यह मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ आम मतदाता के लिए भी उतना ही मायने रखता है या नहीं, यह तो बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों से तय होगा। क्योंकि वहां जिन मुद्दों में चुनावी बारूद देखा जा रहा है, उसमें 'वोट चोरी' गायब था। हकीकत में मतदाता की रूचि कौन क्या 'फ्री' में दे रहा है, इसमें ज्यादा है बनिस्बत इसके कि किसका नाम वोटर लिस्ट से कटा है। जैसे कि दुनिया उन्हीं की होती है, जो इसमें रहते हैं, वही हाल एसआईआर का है, जिनके नाम कट ही गए तो अब क्या। जो वोट देने की स्थिति मे हैं, उन्हें रिझाने के ही राजनीतिक मायने हैं।

बिहार विस चुनाव में भी अगर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन चुनाव जीत जाता है तो 'वोट चोरी' की बात सियासी लफ्फाजी ज्यादा थी, यह स्वतः साबित हो जाएगा। लेकिन अगर नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सत्ता में लौटा तो भी संदेश यही जाएगा कि विपक्ष के पास चूंकि कोई और मुद्दा नहीं था, इसलिए 'वोट चोरी' को आड़ बनाया गया, जिसे जनता ने ही खारिज कर दिया। इस पूरे मामले में चुनाव आयोग के लिए संदेश यह है कि वह चुनाव प्रक्रिया को हर स्तर पर इतना पारदर्शी बनाए और वैसी दिखे भी कि किसी को इस पर उंगली उठाने का मौका न मिले। किसी के आंख के इशारे का इंतजार किए बगैर अपनी पवित्रता और निष्पक्षता उसे खुद ही सिद्ध करनी होगी। वरना उसका ज्यादतर समय काम करने की जगह आरोपों पर सफाइयां देने में ही गुजरेगा। वैसे यह भी विचारणीय है कि जिन राज्यों में गैर भाजपा सरकारें हैं, वहां चुनाव आयोग 'वोट चोरी' कैसे कर पाएगा? (ममता बैनर्जी ने तो अभी से पूरी सरकारी मशीनरी बदल डाली है) अगर वहां भी 'सेंध' लगती है तो इसे किसकी अक्षमता माना जाएगा? इसके अलावा चुनावी हार के असली कारण कुछ और होते हैं, बजाए 'वोट चोरी' के। उनका निदान समय रहते नहीं किया गया तो हार का ठीकरा फोड़ने के लिए नए सिर तलाशने ही पड़ते हैं।

सीएम बोले- अपनी गरिमा का ध्यान रखें राहुल गांधी

कहा- भ्रमित कर रहे नेता प्रतिपक्ष, शिवराज बोले- मछली पकड़ने के लिए वोट नहीं मिलता

भोपाल (नप्र)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आज 121 सीटों पर पहले चरण का मतदान हो रहा है। फर्स्ट राउंड की वोटिंग के एक दिन पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के तमाम आरोप लगाए। राहुल गांधी के आरोपों पर एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने पलटवार किया है।

बिहार में वोटिंग के वक्त हरियाणा चुनाव की बात कर रहे नेता प्रतिपक्ष- गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले भोपाल में स्टेट हैंगर पर मीडिया से चर्चा में सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा, बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है जब बिहार में वोट डालने का पहला चरण चालू हो गया, ऐसे में नेता प्रतिपक्ष हरियाणा चुनाव की बात निकालकर भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी बात किसी के गले उतर नहीं रही है। जैसे उन्होंने ईवीएम मशीनों को लेकर देश भर में माहौल बनाया था और सुप्रीम कोर्ट में उनकी इस बात की धज्जियां उड़ीं। मैं उम्मीद करता हूं कि वे अपनी गरिमा का ध्यान रखें और ऐसी बातों से बचें।

शिवराज बोले- राहुल ने हार स्वीकार की

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल गांधी ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। मतदान से एक दिन पहले उन्होंने वोट चोरी का आरोप लगाया। जनता उन्हें वोट नहीं देती और वह कहते हैं कि वोट चोरी हो गए। लोग मछली पकड़ने या जलेबी बनाने के लिए वोट नहीं देंगे। इसलिए, महागठबंधन ने हार स्वीकार कर ली है और एनडीए की महाविजय निश्चित है।

जनकल्याण के लिए जनता ने किया वोट

शिवराज ने आगे कहा, आज का मतदान अपने आप में एनडीए की प्रचंड जीत की कहानी कह रहा है। बिहार की जनता सुशासन, विकास और जनकल्याण के लिए वोट कर रही है। लालू ने अपने राज में शासन नहीं, बल्कि दमन किया। भय, भ्रष्टाचार और भूख को बिहार की पहचान बना दिया गया था। लेकिन आज भय नहीं, विश्वास है, भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नवाचार है, जंगलराज नहीं, बल्कि सुशासन है... जनकल्याण का इतिहास लिखा जा चुका है।

श्री अरविंदो स्कूल का शानदार वार्षिक समारोह सम्पन्न

भोपाल। श्री अरविंदो स्कूल, भोपाल का वार्षिक समारोह 'अ चाइल्डस जर्नी इन स्कूल' थीम पर शानदार अंदाज में सम्पन्न हुआ। रवीन्द्र भवन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं 'सुबह सवेरे' के प्रधान संपादक उमेश त्रिवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रश्मि त्रिवेदी, श्रीमती मधुलिका श्रीवास्तव (निदेशकगण) तथा श्रीमती नलिनी पटेल (प्रधानाचार्या) उपस्थित रहीं। वार्षिक समारोह का कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात स्कूल के विद्यार्थियों ने मंच पर विद्यालय जीवन की भावनात्मक यात्रा प्रस्तुत की- जिसमें एक बालक के सपने, उसकी आकांक्षाएँ, सफलता और असफलता के साथ खेलों का महत्व दर्शाया गया। इस प्रस्तुति में एक सकारात्मक संदेश निहित था। साथ ही लॉकडाउन के दौरान बच्चों की दिनचर्या, शिक्षा पर उसका प्रभाव तथा फोन की लत जैसे सामयिक विषयों पर भी प्रभावी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में राजस्थानी, पंजाबी, गरबा एवं भरतनाट्यम नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, श्री अरविंदो स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत 'लाठी और काथा' के रोमांचक प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति ने समूचे कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उनकी सृजनात्मकता तथा विद्यालय जीवन की प्रेरणादायक यात्रा को मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत करना था।

हेलमेट के चालान से बचने युवती ने भगाई गाड़ी, लेडी एएसआई ने दौड़कर पकड़ा

एक राइडर ने जोड़े हाथ, दूसरा बोला- बेटी अस्पताल में है

भोपाल/इंदौर/ग्वालियर/जबलपुर/उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के 5 बड़े शहरों- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन में गुरुवार से दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य हो गया है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यह नियम पहले से है, लेकिन अब इसमें सख्ती बरती जाएगी। 4 साल की उम्र से बड़े पिलियन राइडर (दोपहिया वाहन चालक के पीछे बैठने वाले) के हेलमेट न पहनने पर 300 रुपए का चालान बनता है। डीआईजी टीके विद्यार्थी ने कहा- फिलहाल 5 बड़े शहरों में इसे लागू किया गया है। अगले चरण में इसे पूरे प्रदेश में लागू करेंगे। इस अभियान के पहले दिन गुरुवार को भोपाल में ट्रैफिक पुलिस 20 पॉइंट्स पर चालानी कार्रवाई कर रही है। इस दौरान अलग-अलग नजारे सामने आ रहे हैं। कोई कह रहा है कि पुलिसकर्मी

सामने से गुजरा, तब चालान क्यों नहीं किया? किसी ने कहा- बच्ची एडमिट है। जल्दी में हेलमेट भूल गया। टीटी नगर में एक शख्स ट्रैफिक पुलिस के हाथ जोड़ते नजर आया। वहीं कुछ बाइक सवार चेकिंग देखकर पहले बाइक घुमाकर भाग निकले। लालघाटी चौराहे पर दोपहिया सवारों और पुलिस कर्मियों के बीच जमकर बहस भी हुई।

हाई कोर्ट ने 'हक' फिल्म के प्रदर्शन पर रोक की मांग खारिज, आज प्रदर्शित

अदालत ने कहा कि फिल्म का कथानक सार्वजनिक अभिलेखों पर आधारित

इंदौर। चर्चित शाहबानो प्रकरण पर बनी फिल्म 'हक़' के खिलाफ शाहबानो की बेटी द्वारा दायर याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि यह फिल्म स्पष्ट रूप से काल्पनिक और नाटकीय रूपांतरण है, जो किताब 'बानो : भारत की बेटी' पर आधारित है और ये 1985 के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित है।

अपने फैसले में जस्टिस प्रणय वर्मा ने कहा कि फिल्म के डिस्क्लेमर में यह साफ लिखा है कि यह एक काल्पनिक रचना है और किसी व्यक्ति की सच्ची कहानी नहीं है। इसलिए इसे गलत चित्रण या मनगढ़ंत कहानी नहीं कहा जा सकता। अदालत ने माना कि जब कोई फिल्म वास्तविक घटनाओं से प्रेरित होती है, तो उसमें कुछ रचनात्मक छूट दी जा सकती है, और केवल कुछ व्यक्तिगत या नाटकीय विवरण जोड़ने से उसे आपत्तिजनक नहीं कहा जा सकता। अदालत ने कहा कि फिल्म सार्वजनिक अभिलेखों पर आधारित है। इसमें कोर्ट रिकॉर्ड भी शामिल हैं, जो वर्षों से सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं और जिन पर शाहबानो ने अपने जीवनकाल में कभी आपत्ति नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले 'आर राजगोपाल विरुद्ध स्टेट ऑफ़ तमिलनाडु' का हवाला देते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि जब कोई मामला सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाता है, तो उस पर गोपनीयता का अधिकार समाप्त हो जाता है और वह प्रेस या मीडिया द्वारा टिप्पणी के लिए खुला विषय बन जाता है। अदालत ने केएस पुट्टास्वामी विरुद्ध यूनियन ऑफ़ इंडिया और मद्रास हाईकोर्ट के फैसले दीपा जयकुमार विरुद्ध एएल विजय (2021) का हवाला देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की निजता और प्रतिष्ठा का अधिकार उसकी मृत्यु के साथ समाप्त हो जाता है और यह उसके उत्तराधिकारियों को नहीं मिल सकता। शाहबानो अब जीवित नहीं हैं, इसलिए यह कहना कि फिल्म ने उनकी निजता या प्रतिष्ठा का उल्लंघन किया है, स्वीकार्य नहीं है।

हाई कोर्ट ने यह भी बताया कि फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने यूए 13+ प्रमाणपत्र 28 अगस्त 2025 को जारी किया था। याचिकाकर्ता के पास सिनेमेटोग्राफ एक्ट की धारा 5-ई के तहत केंद्र सरकार के समक्ष प्रमाणपत्र को चुनौती देने का वैकल्पिक उपाय था। लेकिन, उसने ऐसा नहीं किया और सीधे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वह भी फिल्म की 7 नवंबर 2025 की रिलीज़ से सिर्फ एक सप्ताह पहले।

अदालत ने कहा कि फरवरी 2024 से ही फिल्म की पटकथा, शूटिंग और टीज़र से जुड़ी खबरें सार्वजनिक थीं, फिर भी याचिकाकर्ता ने देरी से कार्यवाही की, जिससे उसका आचरण सतर्क वादी जैसा नहीं माना जा सकता। अंत में अदालत ने कहा कि फिल्म किसी प्रकार की गलत प्रस्तुति या निजता के उल्लंघन का मामला नहीं है। बल्कि यह सार्वजनिक अभिलेखों पर आधारित एक काल्पनिक नाट्य रूपांतरण है। इसलिए याचिका निराधार पाई गई और खारिज कर दी गई।

प्रदेश में 14 नवम्बर से शुरू होगा राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह

मंत्री सारंग ने तैयारियों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भोपाल(नप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 14 से 20 नवम्बर राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह तथा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के समापन समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सप्ताह की थीम आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता- बैठक में बताया गया कि इस वर्ष राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह की थीम आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता निर्धारित की गई है। यह विषय आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में सहकारी समितियों की भूमिका को रेखांकित करता है। विशेष रूप से कृषि, ग्रामीण ऋण, सूक्ष्म-उद्यम, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सहकारिता की भूमिका न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समावेशी एवं सतत विकास का भी आधार बन रही है।

सप्ताह के दौरान होंगे जन-जागरण कार्यक्रम- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान ऐसे जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित किये जायें, जिनसे आम नागरिकों में सहकारिता के प्रति रुचि और जुड़ाव बढ़े। यह आवश्यक है कि सहकारिता आंदोलन की पहुँच गाँव-गाँव और शहर-शहर तक हो, जिससे

सहकार से समृद्धि का भाव हर व्यक्ति के जीवन में उतर सके।

विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श- मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि नागरिक बैंकों को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जाये और इस दिशा में महाराष्ट्र के विशेषज्ञों के साथ एक विशेष विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया जाये। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए एक ऐसा मंच तैयार किया जाये, जहाँ स्थानीय उत्पादकों और उपभोक्ताओं को सीधे जोड़ा जा सके। साथ ही प्रदेश में होने वाली स्वदेशी केन्द्रित नवाचार आधारित प्रदर्शनी को विशेष महत्व दिया जायेगा, जिसमें आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने वाले विचारों और नवाचारों को प्रमुखता दी जायेगी।

विशेष संवाद 'सहकारिता मंथन'- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम 'सहकारिता मंथन' के रूप में आयोजित किया जाये, जिसमें विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा एवं समस्या-समाधान के ठोस प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने उपार्जन और खाद वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सरलीकृत करने के लिये उपयोगी संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।